केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष 13 अंक 277

उज्जैन, बुधवार 22 मार्च 2023

पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

श्री महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

सुविचार

सम्मान सदैव समय व स्थिति होता है, किन्तु इनसान उसे अपना समझ लेता है...!

दमोह के कुंडलपुर सिद्ध क्षेत्र और श्री जागेश्वर नाथ तीर्थ क्षेत्र पवित्र घोषित

पृथ्वीपुर बना जिला निवाड़ी में नवीन अनुभाग>>सागर, सिंगरौली और भिंड में नवीन तहसीलों के गठन की स्वीकृति>>मुख्यमंत्री श्री चौहान की अध्यक्षता में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक

भोपाल/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में जिला दमोह के कुंडलपुर सिद्ध क्षेत्र और श्री जागेश्वर नाथ तीर्थ क्षेत्र को पवित्र घोषित करने का निर्णय लिया गया। कुंडलपुर सिद्ध क्षेत्र के लिए ग्राम पंचायत कुंडलपुर और श्री जागेश्वर नाथ तीर्थ क्षेत्र के लिए ग्राम पंचायत बांदकपुर के क्षेत्र को पवित्र क्षेत्र घोषित किया गया है।

अनुगूँज को प्रदेश, जिला स्तर एवं हाई / हायर सेकेण्डरी स्कूलों में आयोजित किये जाने का निर्णय

मंत्रि-परिषद ने कलाओं से समृद्ध शिक्षा अनुगूँज अंतर्गत विद्यार्थियों की सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए 10 करोड़ रुपए व्यय करने एवं योजना की स्वीकृति दी। 'अनुगूंज' के प्रभाव को देखते हुए इसे प्रदेश स्तर, जिला स्तर एवं हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में आयोजित किये जाने का निर्णय लिया गया।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रारूप जारी किया गया था। इसमें शिक्षा की गुणवत्ता और पाठ्य सहगामी गतिविधियों पर बहुत अधिक बल दिया गया है। स्टीम (स.ञ.श्व.रू) शिक्षा पद्धति के के रूप में तथा शिक्षा को कला के माध्यम से समृद्ध करने के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2019-20, 2020-21 एवं 2021-22 में भोपाल स्तर पर एक उच्च गुणवत्तायुक्त सांस्कृतिक एवं थियेटर कार्यक्रम अनुगूंज आयोजित किया गया था।

ग्वालियर में हिंदी भवन के लिए 7 करोड़ रूपये सहायता राशि

मंत्रि-परिषद ने संस्कृति विभाग द्वारा कलेक्टर ग्वालियर के माध्यम से मध्य भारतीय हिंदी साहित्य सभा को हिंदी भवन के निर्माण कार्य के लिए 7 करोड़ रुपए का अनुदान दिए जाने का निर्णय लिया। वित्तीय वर्ष 2022-23 के प्रथम अनुपूरक अनुमान अंतर्गत नवीन योजना ÷9904- हिंदी भवन निर्माण हेतु सहायता÷ हेतु बजटीय प्रावधान 2 करोड़ रुपए मध्य भारतीय हिंदी साहित्य सभा को दिए जायेंगे।

जिला निवाड़ी में नवीन अनुभाग पृथ्वीपुर

मंत्रि-परिषद ने जिला निवाड़ी में नवीन अनुविभाग पृथ्वीपुर बनाने की स्वीकृति दी। नवीन अनुभाग में तहसील पृथ्वीपुर का सम्पूर्ण क्षेत्र समाविष्ट होगा। साथ ही मूल अनुविभाग निवाड़ी में तहसील निवाड़ी एवं तहसील ओरछा का सम्पूर्ण क्षेत्र समाविष्ट होगा। अनुभाग पृथ्वीपुर के कुशल संचालन के लिए स्टेनो-टाइपिस्ट का 1, सहायक ग्रेड-2 के 2, सहायक ग्रेड-3 के 3, वाहन चालक का 1 और भृत्य के 4 पद, इस प्रकार कुल 11 पद स्वीकृत किए गए हैं।

जिला भिण्ड में नवीन तहसील अमायन गठित

मंत्रि-परिषद ने जिला भिण्ड में नवीन तहसील अमायन के गठन का निर्णय लिया। वर्तमान तहसील मेहगांव के पटवारी हल्का नम्बर 39 से 66 तक कुल 28 पटवारी हल्कों के 64 ग्राम का अपवर्जन कर नवीन प्रस्तावित तहसील अमायन में समाविष्ट करते हुए नई तहसील बनेगी। नवीन तहसील अमायन के कुशल संचालन के लिए तहसीलदार का 1, सहायक ग्रेड 2 के 2, सहायक ग्रेड 3 के 3, सहायक ग्रेड-3 (प्रवाचक) के 02, जमादार / दफ्तरी / बस्तावरदार का 1, वाहन चालक का 1 और भृत्य के 4 इस प्रकार कुल 14 पद स्वीकृत किए गए हैं।

जिला सिंगरौली में नवीन तहसील दुधमनिया

मंत्रि-परिषद ने जिला सिंगरौली में नवीन तहसील दुधमनिया गठित करने का निर्णय लिया। नवीन तहसील में तहसील चितरंगी के पटवारी हल्का क्रमांक 79 से 112 इस प्रकार कुल 34 पटवारी हल्के समाविष्ट होंगे। तहसील दुधमनिया के गठन उपरांत, शेष चितरंगी तहसील में राजस्व निरीक्षक मण्डल कोरावल के हल्का क्रमांक 01 से 21, राजस्व निरीक्षक मण्डल मौहरिया के हल्का क्रमांक 22 से 48 तथा राजस्व निरीक्षक मण्डल चितरंगी के हल्का क्रमांक 49 से 78, इस प्रकार कुल 78 पटवारी हल्के शेष रहेंगे।

नवीन तहसील दुधमनिया के कुशल संचालन के लिए तहसीलदार का 1, नायब तहसीलदार का 1, सहायक ग्रेड 2 के 2, सहायक ग्रेड 3 के 3, सहायक ग्रेड-3 (प्रवाचक) के 3, जमादार / दफ्तरी /बस्तावरदार का 1, वाहन चालक का 1 और भृत्य के 5, इस प्रकार कुल 17 पद स्वीकृत किए गए हैं।

जिला सागर में नवीन तहसील बांदरी

मंत्रि-परिषद ने जिला सागर में नवीन तहसील बांदरी के गठन की स्वीकृति दी। नवीन तहसील मे तहसील मालथौन के पटवारी हल्का नंबर 21, पटवारी हल्का क्रमांक 32 से 34 व हल्का क्रमांक 39 से 62 तक, कुल 28 हल्के समाविष्ट होंगे। नवीन तहसील बांदरी के गठन पश्चात शेष मालथौन तहसील में वर्तमान तहसील मालथौन के हल्का क्रमांक 01 अटाकर्नेलगढ़ से 20 दुगाहाकला तक, हल्का क्रमांक 22 गीधा से हल्का क्रमांक 31 नौनिया तक, हल्का क्रमांक 35 रजवांस से हल्का क्रमांक 38 बनखिरिया तक, कुल 34 पटवारी हल्के समाविष्ट होंगे। नवीन तहसील बांदरी के कुशल संचालन के लिए तहसीलदार का 1, सहायक ग्रेड 2 के 2, सहायक ग्रेड 3 के 3, सहायक ग्रेड-3 (प्रवाचक) के 2, जमादार/दफ्तरी/बस्तावरदार का 1, वाहन चालक का 1 और भृत्य के 4, इस प्रकार कुल 14 पद स्वीकृत किए गए हैं।

184 स्वास्थ्य संस्थाओं के निर्माण/उन्नयन की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से 184 स्वास्थ्य संस्थाओं (10 सिविल अस्पताल, 6 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 11 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 157 उप स्वास्थ्य केन्द्र) की स्थापना/ उन्नयन का अनुमोदन प्रदान किया गया। जल जीवन मिशन में 9 नवीन परियोजना क्रियान्वयन इकाइयों के गठन की स्वीकृतिमंत्रि-परिषद् द्वारा मध्यप्रदेश जल निगम द्वारा 9 नवीन परियोजना क्रियान्वयन इकाइयों के गठन की स्वीकृति दी गई है।

न्यूज ब्रीफ

डूबे देश के हज़ारों करोड़ न खाने दूंगा जुमला बेजोड़, मेहुल चोकसी को राहत पर खडगे का तंज

नई दिल्ली/जीएनएस। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने भारतीय बैंकों को हजारों करोड़ रुपए का चूना लगाने वाले भगोड़े कारोबारी मेहुल चोकसी को इंटरपोल से मिली राहत पर चिंता जताते हुए कहा है कि सरकार ने उसे सजा देने के लिए ठोस प्रयास नहीं किए। श्री खडगे ने ट्वीट कर कहा कि विपक्षी नेताओं के लिए ईडी-सीबीआई, पर मोदी जी के 'हमारे मेहुल भाई' के लिए इंटरपोल से रिहाई। जब 'परम मित्र' के लिए कर सकते हैं संसद ठप्प, तो 'पुराना मित्र' जिसको किया था पांच साल पहले फरार, भला उसकी मदद से कैसे करें इनकार। डूबे देश के हज़ारों करोड़,'न खाने दूंगा' बना जुमला बेजोड़। गौर हो कि पीएनबी को 13,000 करोड़ रुपए का चूना लगाने के आरोपी मेहुल के खिलाफ इंटरपोल ने रेड कॉर्नर नोटिस हटा दिया है।

पुतिन के गिरफ्तारी वारंट पर बोले सिक्योरिटी काउंसिल के डिप्टी चेयरमैन दिमित्री मेदवेदेव, कोर्ट पर मारेंगे मिसाइल

मास्को/जीएनएस। रुस की सिक्योरिटी काउंसिल के डिप्टी चेयरमैन दिमित्री मेदवेदेव ने इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) को मिसाइल अटैक की धमकी दी है। मेदवेदेव ने कहा कि भगवान और मिसाइलों से बचना किसी के लिए भी मुमकिन नहीं है। दरअसल, 17 मार्च को रूसी राष्टपति पुतिन के खिलाफ आईसीसी ने यूक्रेन में वॉर क्राइम के आरोप में अरेस्ट वॉरंट जारी किया था। उन पर यूक्रेनी बच्चों के अपहरण और डिपोर्टेशन के आरोप लगे हैं। इसके बाद से रूस भड़का हुआ है। मेदवेदेव ने अपने टेलिग्राम अकाउंट पर लिखे स्टेटमेंट में आईसीसी को एक बेकार अंतरराष्ट्रीय संगठन बताते हुए वहां के जजों को मिसाइल हमले के लिए आसमान में नजर बनाए रखने को कहा है। बता दें कि मेदवेदेव को पुतिन का वफादार माना जाता है।वह 2008 से 2012 तक रूस के राष्टपति भी रह चुके हैं। आईसीसी पर नाराजगी जताते हुए मेदवेदेव ने कहा कि ये मुमकिन है कि नॉर्थ सी में रूसी वॉरशिप से निकली एक हाइपरसोनिक मिसाइल हेग में आईसीसी के हैडक्वार्टर पर गिरे। कोर्ट के लिए इसे रोकना नामुमकिन होगा। कोर्ट नाटो का मेंबर नहीं है, तो इस हमले के बाद कोई जंग भी नहीं शुरू होगी। इस हमले का किसी को कोई अफसोस नहीं होगा।

मोदी-योगी के दिए गिफ्ट गटक गए डोनाल्ड ट्रंप, इमरान की तरह तोशखाना घोटाले में फंसे पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति

वाशिंगटन/जीएनएस। अमरीका के पूर्व राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप पर पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की तरह 'तोशखाना' जैसा घोटाला करने का आरोप लगा है। आरोप है कि ट्रंप ने राष्टपति रहते विदेशी नेताओं द्वारा मिले 250,000 डॉलर (2.06 करोड़ रुपए)के गिफ्ट्स का खुलासा नहीं किया। इन उपहारों में भारत के पीएम नरेंद्र मोदी, पूर्व राष्टपति रामनाथ कोविंद और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा दिए गए गिफ्ट भी शामिल हैं। अमरीकी संसद की एक जांच कमेटी के अनुसार, आरोप है कि अमरीकी राष्टपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप ने 47,000 डॉलर से अधिक मूल्य के 17 भारतीय उपहारों का खुलासा नहीं किया, जो कि उन्हें और उनके परिवार को भारत से मिले थे।

राहुल-अडानी मुद्दे पर संसद ठप; हंगामे के चलते दोनों सदनों में नहीं हुआ काम, कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित

नई दिल्ली/जीएनएस। विपक्ष और सत्ता पक्ष के सदस्यों की नारेबाजी के बीच दोनों सदनों की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। दोनों सदनों की अगली बैठक 23 मार्च को होगी। त्योहारों के कारण कल संसद की बैठक नहीं होगी। इससे पहले मंगलवार को संसद भवन की बालकनी में विपक्ष के सांसदों ने प्लेकार्ड और पोस्टर लहराए। लोकसभा में, पहले स्थगन के बाद दोपहर दो बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने पर कांग्रेस, द्रविड मुन्नेत्र कडगम, भारत राष्ट समिति, आम आदमी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों के सदस्य अडानी समूह के मामले की संयुक्त संसदीय समिति से जांच की मांग करते हुए सदन के बीचोंबीच आ गए। लोकसभा अध्यक्ष ने विपक्षी सदस्यों के स्थगन नोटिस नामंजूर कर दिए। सत्ता पक्ष के सदस्यों ने भारतीय लोकतंत्र पर राहुल गांधी की टिप्पणी करने के लिए उनसे माफी की मांग दोहराई। इसके बाद, पीठासीन अधिकारी ने घोषणा की कि नव संवत्सर के कारण बुधवार कों सदन की बैठक नहीं होगी। हंगामे का सिलसिला जारी रहने पर सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा में भी इसी तरह की

स्थिति बनी रही। दोपहर दो बजे पहले स्थगन के बाद सदन की कार्यवाही फिर शुरू होने पर सभापति जगदीप धनखड़ ने घोषणा की कि चैत्र शुक्लादि, उगादी, गुड़ी पड़वा और चेटी चांद के अवसर पर देश भर में त्योहार के कारण बुधवार को सदन की बैठक नहीं होगी। इसके बाद सत्ता पक्ष के सदस्यों ने राहुल गांधी से भारतीय लोकतंत्र पर दिए गए बयान पर माफी की मांग करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। इस बीच, विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा कि राहुल गांधी इस सदन के सदस्य नहीं हैं, इसलिए उनकी माफी का कोई प्रश्न नहीं उठता। हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई।

विदेश में झूठ बोलते हैं राहुल, बिना तैयारी संसद आना उनकी आदत-केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को एक बार फिर से राहुल गांधी पर हमला बोला। ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी विदेशी धरती से बार-बार भारत पर प्रहार करते हैं। झूठ बोलकर देश को बदनाम करते हैं और फिर जब बात माफी की आती है, तो मांगते नहीं हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी से एक सवाल पूछा गया था उन्होंने आज तक उसका जवाब नहीं दिया। लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश को लेकर गलत बयान देते हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या कांग्रेस पार्टी लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश को देश का हिस्सा नहीं मानती है।

अतीक अहमद का दफ्तर खोद निकाले हथियार, उमेश पाल हत्याकांड की जांच में जुटी पुलिस को हाथ लगी बड़ी सफलता

प्रयागराज/जीएनएस। प्रयागराज में सनसनीखेज उमेश पाल हत्याकांड की जांच में जुटी पुलिस को मंगलवार को बड़ी सफलता हाथ लगी है। अतीक अहमद के धूमनगंज स्थित मकान में बने दफ्तर से मंगलवार को पुलिस ने बड़ी संख्या में असलहे और बड़ी मात्रा में कैश बरामद किया है। यह असलहे और कैश दीवारों के साथ ही फर्श के नीचे दबाकर रखे गए थे। दीवारों और फर्श को तोडऩे के बाद इन्हें बरामद किया गया। चकिया स्थित जिस कार्यालय को बसपा शासनकाल में गिरा दिया गया था, वहीं से यह बरामदगी हुई है। पांच सौ और दो सौ के नोटों में पूरा कैश है। इसे गिनने के लिए नोट गिनने वाली मशीन भी मंगाई गई। भारी पुलिस बल के साथ अफसरों की टीम वहां मौजूद थी। एक-एक कर हर कमरे की दीवारें और फर्श तोड़े गए। पुरामुफ्ती थाना इंचार्ज खुद नोटों को गिनने में लगे। पुलिस ने दफ्तर में काम करने वाले दो लोगों को पकड़ा था। उनकी निशानदेही पर छापामारी हुई।

आप ही प्रभु हो, मोदी से नहीं लडऩा, विधानसभा में हाथ जोडक़र झुके दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली/जीएनएस। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि केंद्र सरकार ने अहंकार की वजह से उनके सरकार के बजट को रोका। केंद्र सरकार चाहती थी कि उनके सामने झुका जाए, उनके पैर पकड़े जाएं। ऐसा किया गया, तो उन्होंने उसी बजट को मंजूर कर लिया। केजरीवाल ने उन प्रावधानों को असंवैधानिक बताया, जिसके तहत दिल्ली सरकार के बजट को पेश करने से पहले गृहमंत्रालय से मंजूरी लेना जरूरी है। केजरीवाल ने पीएम मोदी का जिक्र करते हुए कहा कि वह झुक गए हैं और लडऩा नहीं चाहते हैं। लड़ाई से कुछ हासिल नहीं होता है, सिर्फ बर्बादी होती है। केजरीवाल ने बजट में देरी के लिए अफसरों पर एक्शन की डिमांड का समर्थन करते हुए कहा कि वह केंद्र सरकार की आपत्तियों के खिलाफ कोर्ट जा

सकते थे, लेकिन उन्होंने मंत्री से कहा कि लडऩा नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने (केंद्र सरकार ने) चार ऑब्जर्वेशन लिखे थे, उनका जवाब लिखा। कोई बदलाव नहीं किया बजट में। सेम बजट। ईगो था कि हमारा जवाब दो। दे दिया भाईसाहब।

पैर छू लिए उनके। उनके सामने हाथ जोड़ लिए। अहंकार ही है। क्या मिला इससे? राजनीति है, अहंकार है। खुश हो गए कि केजरीवाल को झुका दिया। हां जी हम तो हमेशा ही झुके हुए हैं। जनतंत्र में जनता के सामने झुकना चाहिए, सबके सामने झुकना चाहिए। अहंकार संतुष्ट करने के अलावा कुछ नहीं हुआ। केजरीवाल ने केंद्र की ओर से पूछे गए सवाल पर जवाब देने और फिर बजट को मंजूरी मिल जाने का जिक्र करते हुए कहा कि हमने सेम टु सेम बजट भेज दिया। जो बजट में लिखा था उसी में से चार-चार लाइनें कोट करके भेज दी। आज एलजी ने भी लिख दिया अप्रूव्ड। पहले ही कर देते। वह कह रहे थे मेरे सामने झुको, मेरे पैर पकड़ो। आपके सामने झुक गए। आप ही प्रभु हो। आप ही सबकुछ हो। मेरी अपील है पीएम से कि हम काम करना चाहते हैं। हम लडऩा नहीं चाहते। लडऩा हमारे बस की बात नहीं, हम बहुत छोटे लोग हैं। राजनीति में हम लडऩे के लिए नहीं आए।

जिले के दूरस्थ क्षेत्रों से आये ग्रामीणों की समस्याओं को जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत द्वारा सुना गया और तत्काल निराकरण के निर्देश दिये

आज जनसुनवाई में कुल 60 आवेदन प्राप्त किये

झाबुआ/माणक लाल जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अमन वैष्णव एवं अपर कलेक्टर एस एस मुजाल्दा द्वारा जनसुनवाई में आज 60 आवेदन प्राप्त किये जिसे सम्बधित विभाग को तत्काल जॉच कर निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में एडीएम श्री एस.एस. मुजाल्दा के द्वारा भी आवेदको से आवेदन प्राप्त कर संबंधित विभाग को निराकरण हेतु प्रेषित किये।

आज जनसुनवाई में दुरस्त ग्रामीण क्षेत्रों से आये ग्रामीणों की समस्यों को सुना एवं संबधित विभाग के जिला अधिकारी को निराकरण के लिए दिया। आज जनसुनवाई में जो आवेदन प्राप्त हुये है, जिसमें प्रमुख रूप में फलिया के समस्त निवासीगण के द्वारा वसुनिया फलिया में नवीन हेण्डपम्प स्वीकृत करने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। प्रार्थी बंटी पिता मिठु डामर निवासी बामनिया तहसील पेटलावद के द्वारा मुख्यमंत्री जनकल्याण सबल योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया। प्रार्थीया श्रीमती हेमलता भुरिया पति नाहरसिंह भुरिया निवासी वार्ड क्रमांक 13 राजापुर पेटलावद जिला झाबुआ द्वारा आंगनवाडी सहायिका के पद पर नियुक्ति प्रदान करने हेतु आवदेन प्रस्तुत किया। प्रार्थी श्री जावेद लोदी निवासी गॉधी चोक मोहल्ला वार्ड क्रमांक 14 पेटलावद एवं समस्त वल्फ जामा मस्जिद कमेटी द्वारा ग्राम अंनन्तखेडी स्थित कब्रस्तान सर्वे नम्बर 2004, 2005, 1937 का विधिवत् सीमाकंन करवाने एवं कब्रस्तान की भुमि से ग्राम पंचायत को किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य करने से रोकने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। प्रार्थी श्री करणसिंह सिंगाड निवासी मकोडिया द्वारा झीरीया पिता कालिया सिगाड निवासी खवासा के विरूद्ध में आवेदन दिया गया। विरोधी ने प्रार्थी की कब्जे वाली भूमि पर चाय की दुकान जबरन रखदी उस दुकान को हटाने के संबंध में आवेदन दिया गया। प्रार्थीया नानुडी पति स्व. रामा निवासी छोटा बोलासा के द्वारा मुख्यमंत्री जनकल्याण सबल योजना का लाभ दिलवाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। प्रार्थी समस्त फलिया के निवासीगण के द्वारा ग्राम आमलीफलिया भाबोर फलिया शासकीय उचित मूल्य की दुकान के पास नवीन हेण्डपम्प स्वीकृत करने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। प्रार्थी भुवानसिंह पिता फत्ता भाबोर निवासी ग्राम बरखेडा तहसील व जिला झाबुआ के द्वारा पट्टा प्राप्त करने के संबंध में आवदेन प्रस्तुत किया गया।

इस संबंध में सीईओ जिला पंचायत अमन वैष्णव के द्वारा संबंधित विभागों को त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये गये। इस दौरान संबंधित विभाग के जिला अधिकारीगण उपस्थित थे।

उच्च शिक्षा विभाग भोपाल द्वारा कॉलेज चलो अभियान की शुरुआत

झाबुआ/माणक लाल जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशानुसार झाबुआ के अग्रणी महाविद्यालय, शहीद चंद्रशेखर आजाद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय झाबुआ में प्रवेश प्रक्रिया सत्र 2023-24 के अंतर्गत कॉलेज चलो अभियान 1 मार्च से 31 मार्च तक चलाया जा रहा है। कॉलेज चलो अभियान के तहत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जे सी सिन्हा एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. रविंद्र सिंह के मार्गदर्शन में पाँच सहायक प्राध्यापकों की समिति का गठन कर, जिले के विद्यालयों में जाकर सत्र 2023-24 के लिए महाविद्यालयीन प्रवेश प्रक्रिया एवं हितग्राही योजनाओं के बारे में बताया जा रहा है। इस अभियान के तहत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झाबुआ में जाकर जानकारियां प्रदान की गई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. जे सी सिन्हा द्वारा उद्बोधन में छात्राओं को महाविद्यालय में ज्यादा से ज्यादा संख्या में प्रवेश लेने हेतु प्रोत्साहित किया गया एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ रविंद्र सिंह द्वारा द्वारा शासन की हितग्राही योजनाओं के बारे में विद्यार्थियों को गांव की बेटी, प्रतिभा किरण योजना, विज्ञान प्रोत्साहन आदि योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रवेश प्रभारी डॉ राजू बघेल ने बताया कि छात्राओं के लिए पहले राउंड में प्रवेश प्रक्रिया की पंजीयन शुल्क शासन की ओर से छूट का प्रावधान है एवं प्रवेश प्रक्रिया से सम्बन्धित समस्त शंकाओं का समाधान किया। कॉलेज चलो अभियान के नोडल प्रो जैमाल डामोर एवं सदस्यों ने प्रवेश प्रक्रिया के पर्चे विद्यार्थियों को वितरित किए।

विश्व वानिकी दिवस 21 मार्च अवसर पर कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं वनमण्डलाधिकारी द्वारा हाथीपावा पहाडी पर वृक्षारोपण किया

झाबुआ/माणक लाल जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व वानिकी दिवस 21 मार्च के अवसर पर जिला प्रशासन एवं वन विभाग द्वारा हाथीपावा पहाडी पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, पुलिस अधीक्षक अगम जैन द्वारा वृक्षारोपण कर सभी को पेडो का संरक्षण करने के लिये प्रेरित किया। विश्व वानिकी दिवस की इस साल की थीम ''वन और स्वास्थ्य'' रखी गई है। इस अवसर पर एडीएम एसएस मुजाल्दा, वन विभाग डीएफओ हरेसिंह ठाकुर, डीडीए श्री नगीम रावत, जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती कृतिका मोहटा, जिला आयुष अधिकारी श्रीमती प्रमीला चौहान, रेन्ज आफिसर पाण्डे एवं अन्य जिला अधिकारी कर्मचारी एवं वन विभाग के अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा वृक्षारोपण कर वायुदूत एप पर अपनी फोटो वृक्षारोपण करते हुये पोस्ट की।

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर बताया कि, पेड़ों का हम सभी के जीवन में बहुत अधिक महत्व है। प्रत्येक व्यक्ति को जीवित रहने के लिए ऑक्सिजन की आवश्यकता होती है और ये ऑक्सिजन पेड़ों से ही प्राप्त होती है। लेकिन लगातार पेड़ो की कटाई से इनकी संख्या में भारी कमी आ रही है और कार्बन डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी जहरीली गैसों में वृद्धि हो रही हैं। ये गैसें हम इंसानों के लिए बहुत खतरनाक है। इसीलिए हमें पेड़ों का संरक्षण करना चाहिए। हर साल 21 मार्च को वनों के महत्व को मानव को समझाने के लिए विश्व वानिकी दिवस मनाया जाता है। इस दिन लोगों को पेड़ लगाने के लिए जागरूक किया जाता है।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन के तीर्थयात्री 25 मार्च को प्रातः 10.00 बजे तक मेघनगर से सम्मिलित होगें

झाबुआ/माणक लाल जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत झाबुआ के पत्रानुसार दिनांक 25 मार्च से 30 मार्च 2023 तक रामेश्वरम हेतु आयोजित तीर्थयात्रा में जिले के तीर्थयात्री दिनांक 25 मार्च 2023 को मेघनगर से सम्मिलित होगें। तीर्थयात्रा रेल्वे का टाईम टेबल जिले के व्हाटसएपप ग्रुप में अपलोड किया जावेगा जिसके अनुसार 25 मार्च 2023 को प्रातः 10.00 बजे तक तीर्थयात्रियों को मेघनगर पहुचाया जाना है। झाबुआ से 67 तीर्थयात्री, थांदला से 26 तीर्थयात्री, पेटलावद से 102 तीर्थयात्री नियत दिनांक को मेघनगर तक पहुचाने के लिए झाबुआ एवं थांदला हेतु 01-01 वाहन एवं पेटलावद हेतु 2 वाहन आरटीओ झाबुआ द्वारा उपलब्ध करवाना सुनिश्चित किया जावें यात्रियों को यात्रा प्रारम्भ में मेघनगर छोड़ने एवं यात्रा समाप्ति पर वापस यात्रा प्रारंभ स्थान पर भी छोड़ा जाना है।

राष्ट्रीय पदक प्राप्त करना इंदौर फिलाटेलिक सोसायटी के लिए गौरव की बात-रविन्द्र पहलवान

राष्ट्र स्तरीय पर पदक प्राप्त करने पर नगर के ओम पाटोदी को किया सम्मानित

बदनावर/दैनिक मालवा हेराल्ड। डाक टिकट संग्राहको की प्रदेश स्तर पर अग्रणी संस्थान इन्दौर फिलेटिक सोसाइटी की विशेष सभा में सोसायटी के सदस्य उमेश नीमा (इंदौर) और ओम पाटोदी (बदनावर) द्वारा राष्टीय डाक टिकट प्रदर्शनी अमृत पेक्स 2023 में पदक प्राप्त करने पर वरिष्ठ फिलाटेलिस्ट मेजर डा. महेश गुप्ता एवं लक्ष्मी कांत जैन द्वारा सम्मानित किया गया। दोनों ने ही डाक टिकटों पर आधारित अपनी पुस्तक का प्रदर्शन दिल्ली में किया था। इस अवसर पर सोसायटी के अध्यक्ष, साहित्यकार व वरिष्ठ फिलाटेलिस्ट डॉ रवीन्द्र नारायण पहलवान ने कहा कि यह हमारी सोसायटी के लिए गौरव की बात है, परन्तु हमें रूकना नहीं है अगली प्रदर्शनी की घोषणा हो उसके बाद तैयारी करने कि बजाय तैयारी अभी से शुरू कर देना है। हमारी तत्परता ही हमारी सफलता की ग्यारंटी है और हमारे कार्य को उत्कृष्टता प्रदान करेगी। इस बात को हर प्रतियोगी को ध्यान में रखकर चलना है।कार्यक्रम शुरुआत की घोषणा सचेतक महेश रामचंदानी की। स्वागत भाषण सचिव सुरेंद्र मुल्ये ने दिया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र के प्रारंभ में सोसाइटी से दिवंगत सदस्य श्री शैलेन्द्र निगम (रतलाम) को विनयांजलि प्रस्तुत कि गई। द्वितीय सत्र में स्वागत सम्बोधन श्री सुरेन्द्र मुल्ले ने दिया। तत्पश्चात लक्ष्मीकांत जैन एवं जयन्त डोसी ने सदस्यों को उपहार स्वरूप डाक टिकट एवं बैज वितरित किए। वरिष्ठ फिलाटेलिस्ट एस. जी. मेहता द्वारा द्वितीय राष्टीय डाक टिकट प्रदर्शनी इण्डिपेक्स-73 के बारे में जानकारी दी, उमेश नीमा डाक टिकटों में प्रयागराज पुस्तक के बारे में जानकारी दी। वही दिल्ली में सम्मिलित हुए उमेश कुमार नीमा, ओम पाटोदी, सुरेश भागचंदानी, जयंत डोसी, राजेश शाह ने राष्टीय डाक टिकट प्रदर्शनी अमृत पैक्स 2023 के बारे विशेष जानकारी से सदस्यों को अवगत कराया। लक्ष्मी कांत जैन ने भारतीय सेना पर आधारित विशेष डाक आवरण का अद्भुत संग्रहण प्रस्तुत किया। अतः में गोविंद अग्रवाल ने आभार प्रकट ने किया। उक्त जानकारी सोसायटी के जन सम्पर्क अधिकारी ओम पाटोदी ने दी।

आंगनवाड़ी केंद्रों पर लटके ताले -आंगनवाड़ी कार्यकर्ता,सहायिका व मिनी कार्यकर्ताओ की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू

आलोट/ राकेश चोहान/दैनिक मालवा हेराल्ड। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाएं, व मिनी कार्यकर्ता आज से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चली गई है। जिसको लेकर विगत दिवस आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की ओर से कलेक्टर को आवेदन भी दिया गया था। 2018 से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का 1500 रुपए मानदेय रुका हुआ है, वो अभी तक नहीं मिला है। साथ ही 2022 का भी मानदेय नहीं दिया गया है, जिसको लेकर सभी कार्यकर्ता व सहायिकाएं अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रहेगी। इसमें कलेक्टर दर से वेतन, सुपरवाइजर के पद पर पदोन्नति, पेंशन और शासकीय सेवकों की तरह सुविधाएं अहम है। संगठन पदाधिकारियों ने बताया कि हमारा मानदेय बहुत कम है पर वो भी समय से नहीं दिया जाता है।

हमसे काम तो सभी कराए जा रहे है और हम भी काम से पीछे नहीं हटते है, लेकिन यदि हमारा वेतन ही हमें नहीं दिया जाएगा तो हमारा घर कैसे चलेगा। कार्यकर्ता-सहायिकाएं लगातार अपनी मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही हैं, लेकिन उनकी मांगों पर कोई विचार नहीं किया गया है। बता दे कि कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं के हड़ताल से कई योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावित होगा।आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से ही महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं को पूरा किया जाता है। कुपोषण के लिए बंटने वाले आहार, गर्भवती माताओं के आहार से लेकर केंद्रों में बच्चों की पढ़ाई की जिम्मेदारी भी इनकी ही रहती है।

आंगनबाड़ी केंद्रों में टीकाकरण, गर्भवतियों की जांच, पोषण आहार का वितरण जैसे प्रमुख कार्य संचालित होते हैं। लेकिन अब हड़ताल से यह सभी कार्य प्रभावित रहेंगे। इधर प्रशासन के पास आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन के लिए कोई दूसरा विकल्प भी नहीं है। इससे साफ है कि हड़ताल खत्म होने तक केंद्रों में ताले लटके रहेंगे।

आयोजन समिति की और से प्रशासनिक व जनप्रतिनिधियों को निमंत्रण पत्र सौंपे

पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा को लेकर विभिन्न समितियों को व्यवस्था को लेकर विशेष बैठक रखी

बदनावर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शुक्रवार 24 मार्च से प्रारंभ होने वाली पंचपुष्प श्री शिव महापुराण कथा की तैयारियां अंतिम दौर मैं पहुंच रही है आयोजन में विभिन्न प्रकार की सेवा देने वाले समस्त सदस्यों कि मंगलवार को कथा स्थल पर बैठक ली गई। अपनी रुचि अनुसार सेवा का क्षेत्र चुनने वाले सदस्यों को उनके कार्य अनुसार क्रियान्वित करने के तरीके बताएं। भोजन व्यवस्था मैं ध्यान पूर्वक परोसगारी करने एवं भोजन प्रसाद का अपव्यय ना होने की जानकारी दी। इसी प्रकार निशुल्क पार्किंग व्यवस्था में अपने वाहन सुरक्षित रखने एवं पुनः उन्हें सुपुर्दगी देने के दौरान टोकन गुम होने की स्थिति में उसकी पुष्टि किए जाने के उपाय बताएं। उपस्थित युवाओं एवं महिलाओं के बीच आयोजक शरद सिंह सिसोदिया ने कहा कि यह आपका अपना आयोजन है,आपकी सूझबूझ सक्रियता व सहभागिता से ही सफलता के आयाम स्थापित होंगे। सभी सेवादारों एवं श्रद्धालुओं से अपने सामर्थ्य अनुसार अपनी सेवा सुनिश्चित कर आयोजन को निर्विवाद रूप से सफल बनाने का आह्वान किया।

गौरतलब है कि 24 मार्च से 28 मार्च तक पांच दिवसीय संगीतमय पंचपुष्प श्री शिव महापुराण कथा स्वर्गीय शिवकुमार सिंह सिसोदिया इंदौर एवं स्वर्गीय ओम प्रकाश पांडे नागदा की स्मृति में शरद सिंह सिसोदिया द्वारा कथा आयोजित की जा रही है। कथा का प्रतिदिन दोपहर 2 से 5 बजे तक अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा वाचन करेंगे। इस कथा में प्रतिदिन पंडित मिश्रा द्वारा पांच पुष्प जो कौन से शिवलिंग को चढ़ाने से कौन सी बाधा दूर होती है एवं जीवन में आए कष्ट दूर होते हैं, के बारे में विस्तृत रूप से वर्णन कर बताया जाएगा। आयोजन को लेकर समूचे अंचल में खासा उत्साह व्याप्त है। मंगलवार को भी सैकड़ों महिलाएं जो सेवादार सूची में पंजीकृत है वह भी बैठक में शामिल हुई।

आयोजन समिति की और से प्रशासनिक व जनप्रतिनिधियों को निमंत्रण पत्र सौंपे

शिव महापुराण कथा आयोजन समिति की ओर से सोमवार को जिले के प्रशासनिक अधिकारी कलेक्टर प्रियंक मिश्र, पुलिस अधीक्षक आदित्य प्रताप सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, अपर कलेक्टर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के साथ राजनीतिक व्यक्तियों में पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा, विधायक नीना वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मैडा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिला प्रचारक, भोज उत्सव समिति के साथ जिले के समस्त विधायकों को समिति के राजेंद्र जाट मिनेश पाटीदार, भूपेंद्र जाट, चेतन सिंह राठौर आदि ने निमंत्रण पत्र भेंटकर कथा में शामिल होने का आग्रह किया गया है।

धर्मालुओं की सेवा में रहेंगे ये गांव तत्पर

मंगलवार को आयोजित बैठक में निर्धारित की गई सेवाओं में पानी की व्यवस्था कोद, भोजन के लिए बिडवाल, स्वच्छता का जिम्मा कानवन, वाहन पार्किंग रतनपुरा, मेला संचालन जलोदिया, मंदिर पूजा पाठ श्रृंगार भारती परिवार कोटेश्वर, मंदिर परिसर स्वच्छता ग्राम रक्षा समिति कोद एवं समूचे आयोजन की सुरक्षा का जिम्मा बजरंग दल एवं झरीपाडा के 50 सदस्यों ने संयुक्त रूप से लिया है। इसके अतिरिक्त कथा के दौरान पांडाल में उपस्थित जनसमुदाय को पेयजल की व्यवस्था महिला इकाई संभालेगी।

सेवादारों के प्रवेशिका कार्ड किए वितरित

मंगलवार को आयोजित बैठक में संपूर्ण आयोजन में सेवा देने के लिए पंजीकृत किए गए सदस्यों के प्रवेशिका कार्ड एलाउंसमेंट करके संबंधित व्यक्तियों एवं महिला इकाइयों को उनके हाथों में प्रदान किए गए सैकड़ों की तादाद में महिलाएं भी उपस्थित रही। बैठक में कमल सिंह पटेल अभिषेक सिंह राठौर (टिंकू बना),मनीष बोकाडिया, श्याम अग्निहोत्री,पाटीदार समाज के तहसील अध्यक्ष मिनेश पाटीदार, निरंजन सिंह पिटगारा, कैलाश गुप्ता,भूपेंद्र जाट, दिनेश रघुवंशी,राकेश कामदार,अश्विन पाटीदार,सरपंच संतोष मुनिया, लोकेंद्र सिंह डोडिया,गोवर्धन पालोत्रा, सारिका बाफना, पाटीदार समाज महिला इकाई तहसील अध्यक्ष सारिका सुरेश पटेल, सहित गणमान्यजन व मीडियाकर्मी उपस्थित थे।जानकारी श्री शिव महापुराण कथा आयोजन के मीडिया प्रभारी गोवर्धन सिंह डोडिया खिलेड़ी ने दी।

सार समाचार

मुलथान वासी 11 हजार दीप प्रजाजलित कर बनाएंगे गुड़ी पड़वा

नई पीढ़ी में अपनी संस्कृति बचाने की कर रहे पहल

बदनावर/मनीष शर्मा/दैनिक मालवा हेराल्ड। मौजूदा वक्त में सभी पश्चिमी संस्कृति के पीछे भाग रहे है। वही बदनावर के समीप ग्राम मूलथान के युवकगण अपनी भारतीय संस्कृति की रक्षा हेतु लगातार कुछ न कुछ पहल करते है। एसा ही पिछली बार की तरह इस बार भी हिंदू नववर्ष गुड़ी पड़वा पर श्री मूलेश्वर महादेव भक्त मंडल द्वारा श्री मूलेश्वर महादेव मंदिर पर 11 हजार दीप प्रज्वलित कर नववर्ष का आगमन करेंगे। मुलथान की तासीर हमेशा से ही धर्ममय की रही है। सभी वर्गो के लोग तन मन धन से हर धार्मिक आयोजन में बड़ चढ़ कर हिस्सा लेते है। राज परिवार द्वारा भी समय समय पर धार्मिक आयोजन में सहभागी होते है। इस तरह का आयोजन हर ग्राम, शहर में होने लगेंगे तो निश्चित ही वहा के नागरिक अपनी संस्कृति के प्रति जागरूक होंगे।

पुण्य स्मृति पर नवकार महामंत्र के जाप हुए

बदनावर /बखतगढ़/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रीवर्धमान स्थानक भवन बखतगढ़ पर 19 मार्च को विमलचंद व्होरा की पुण्य स्मृति में नवकार महामंत्र के सामूहिक जाप का आयोजन हुआ। प्रभावना वितरण का लाभ मंगलेशकुमार विमलचंद व्होरा ने लिया। वहीं रतनबाई भारतसिंह मोदी की पुण्य स्मृति में 20 मार्च को नवकार महामंत्र के सामूहिक जाप का आयोजन किया गया। इस दिन हेमेंद्र मोदी की ओर से प्रभावना वितरित की गई। उक्त दोनों दिन जाप आराधकों ने एक स्वर में नवकार महामंत्र के सामूहिक जाप एवं गुरु गुणगान स्तुति की। नवकार महामंत्र के जाप के उक्त आयोजन में एक घंटे जाप करने का अच्छा लाभ लिया।

जयस संगठन बदनावर द्वारा मा. महामहिम राष्ट्रपती के नाम ज्ञापन दिया

बदनावर/दैनिक मालवा हेराल्ड। महू चौकी डूंगरगांव जिला इंदौर आदिवासी समुदाय महीला गैर आदिवासी संभावित प्रेमि से विवाह कर उस महिला को परिजन परिवार ने मिलकर मौत के घाट उतार दिया यौन शोषण तथा प्रताड़ित कर परिवार संग हत्या किए जाने वाले परिवार फासी की सजा मांग रखी तथा तथा आरोपियों को फास्ट ट्रैक कोर्ट में बैठकर फांसी की सजा सुनाने के संबंध तथा न्याय की मांग कर रहे परिजनों पर प्रशासन द्वारा हमला कर दी हत्या आदिवासी राहगीर की गोली चला कर हत्या कर देने के कारण संबंधित पुलिस पर मुकदमा दर्ज करने और जांच करने हेतु बदनावर जयस के कार्यकर्ता ने बदनावर पुलिस थाना पर राष्टपति के नाम ज्ञापन दिया। जयस प्रभारी राधेश्याम मंडलोई, जयस प्रवक्ता अजीत जी गणावा जयस उपाध्यक्ष विक्रम भाभर, दौलत राम भाभर , जयस संगठन महामंत्री संतोष डामर, राकेश डामर हरीओम निनामा जयस सामाजिक कार्यकर्ता मनोहर मकवाना , भेरुलाल जी वसुनिया गवरीमाता उपस्थित थे। ज्ञापन का वाचन राधेश्याम मंडलोई ने किया।

महाविद्यालय झाबुआ में विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर पक्षियों की पेयजल व्यवस्था के लिए चकोरे लगवाए गए

झाबुआ/माणक लाल जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहीद चंद्रशेखर आजाद, शासकीय अग्रणी महाविद्यालय झाबुआ में विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर इको क्लब के विद्यार्थियों एवं एवं प्राध्यापकों द्वारा वनस्पतिशास्त्र विभाग प्रांगण में गर्मी को ध्यान में रखते हुए पक्षियों की पेयजल व्यवस्था के लिए वृक्षों पर चकोरे लगाए गए। इस अवसर पर संस्था प्राचार्य डॉ. जे.सी. सिन्हा, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. रविंद्र सिंह, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना सोलंकी, इको क्लब नोडल अधिकारी डॉ. एस.एस. चौहान, विज्ञान संकाय इको क्लब संयोजक डॉ. अंजना ठाकुर, डॉ. रीना गणावा, डॉ. रीता गणावा, डॉ. रंजना रावत, डॉ. मनीषा सिसोदिया, प्रो. रामगोपाल सिंह, डॉ. संदीप चरपोटा, सुरेश कटारा एवं समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संगीतमय प्रभात फेरी एवं महाआरती के साथ होगा नव वर्ष का स्वागत

झाबुआ (थांदला) माणक लाल जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा गुड़ी पड़वा भारतीय नव वर्ष के उपलक्ष पर प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी परंपरागत रूप से युवा रामायण मंडल के तत्वावधान में स्थानीय श्री बड़े रामजी मंदिर थांदला से प्रातः 5:30 बजे नौ दिवसीय हरि नाम संकीर्तन प्रभात फेरी का आयोजन कल दिनांक 30 मार्च बुधवार प्रातः बेला से संपन्न होगा। इस अवसर पर स्थानीय मठ वाला कुआं चौराहा अंबिका माता मंदिर पर प्रातः सामूहिक महाआरती 6:30 बजे संपन्न होगी। युवा रामायण मंडल के विपुल आचार्य शुभम नागर ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रभात फेरी का यह 25 वा वर्ष है द्य प्रभात फेरी के पश्चात बड़े राम जी मंदिर पर नियमित रूप से नीम शरबत प्रसादी का वितरण भी 9 दिनों तक किया जावेगा द्य चैत्र नवरात्रि में नीम शरबत के सेवन का भी विशेष महत्व है द्य जिसको लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही है। नौ दिवसीय राम जन्मोत्सव दिनांक 30 मार्च को भगवान श्री राम की भव्य शोभायात्रा एवं जन्मोत्सव आरती के साथ संपन्न होगा ।

उगते सूर्य को दिया जाएगा अर्घ्य- राष्ट सेविका समिति के तत्वावधान में स्थानीय हनुमान मंदिर बावड़ी पर प्रातः 6:00 सामूहिक रूप से उगते सूर्य को अर्घ्य देकर नव वर्ष का स्वागत किया जाएगा।

दोपहर में निकलेगी विशाल भगवा वाहन रैली-राष्ट सेविका समिति के तत्वावधान में दोपहर 3:00 बजे स्थानीय हनुमान मंदिर बावड़ी से भव्य भगवा वाहन रैली निकाली जाएगी जिसमें मातृशक्ति माताएं बहने भगवा पताका एवं पगड़ी के साथ अपने दोपहिया वाहनों से बड़ी संख्या में सम्मिलित होगी उक्त वाहन रैली नगर के समस्त मार्गो से होते हुए पुणे हनुमान मंदिर पहुंचेगी जहां पर इसका समापन होगा।

गेहूं उपार्जन केन्द्रों को यथावत करने के संबंध में दिया ज्ञापन

बड़नगर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम पंचायत खण्डोदा, मुंडत, सिमलावदा, पलवा खेड़ानारायण, अन्य ग्राम के ग्रामीण किसान जनों ने खंडोदा गेहूं उपार्जन केंद्र को व ग्राम भेरूपचलाना गेहूं उपार्जन केन्द्रों को यथावत करने के संबंध में ज्ञापन दिया जिस पर विधायक मुरली मोरवाल ने उज्जैन जिला कलेक्टर, अनुविभागीय अधिकारी, खाद्य विभाग के अधिकार से गेहूं उपार्जन केन्द्रों को यथावत करने को लेकर चर्चा कर यथावत करने की मांग कर बताया गया की उपार्जन केन्द्रों के स्थानांतरण से ग्रामीणजनों को बहुत ही समस्या का सामना करना पड़ता है इससे उनकी उपज पर आर्थिक बोझ भी पड़ता है व गेहॅू बिक्री में अधिक समय लगता है।

किसान के सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद ग्रामीणों ने लगाया जाम

एसडीओपी ने स्पीड ब्रेकर बनाने का आश्वासन दिया, तब खोला

मंदसौर/पिपलियामंडी/दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क दुर्घटना में किसान के घायल होने के बाद ग्रामीणों ने स्पीड ब्रेकर की मांग को लेकर फोरलेन पर जाम लगा दिया। बाद में मल्हारगढ़ एसडीओपी मौके पहुंचे टोल कंपनी अधिकारी से चर्चा कर स्पीड ब्रेकर बनाने की कहा, तब जाकर ग्रामीणों ने जाम खोला।

5 0t6u21 ड्डसाइकिल सवार को मारी टक्करः-जानक् ारी के अनुसार मंगलवार प्रातः 9.30 बजे करीबब बरखेड़ापंथ निवासी पन्नालाल पिता हरिराम सुथार साइकिल से खेत जा रहे थे, इसी दौरान गांव में मल्हारगढ़ की ओर क्रासिंग के यहां अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। सूचना पर टोल प्लाजा पैरामेडीकल टीम एबूलेंस लेकर पहुंची, घायल को मंदसौर जिला अस्पताल भर्ती कराया, जहां हालत गंभीर होने से उसे उदयपुर रेफर कर दिया।

शाम को फिर हुआ हादसाः- सुबह हुई दुर्घटना से कुछ दूर शाम को फिर दुर्घटना में बाइक सवार घायल हो गया। शाम 4 बजे करीब अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार थड़ोद निवासी नानालाल पिता कुटुम्बलाल घायल हो गया। सूचना पर टोल प्लाजा पैरामेडीकल टीम पहुंची, घायल को पिपलिया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भर्ती कराया।

ग्रामीणों ने लगाया जाम, शाम को बना दिया स्पीड ब्रेकरः-सुबह हुई दुर्घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने फोरलेन पर जाम लगा दिया। ग्रामीणों का आरोप था क्रासिंग के यहां आए दिन सड़क हादसे हो रहे है, मांग के बावजूद स्पीड ब्रेकर नही बनाया जा रहा है। करीब 20 मिनट तक जाम से दोनों और वाहनों की कतार लग गई। सूचना पर एसडीओपी मनोज रत्नाकर मौके पहुंचे, उन्होंने टोल प्लाजा कंपनी से बात की व स्पीड ब्रेकर बनाने की कहा, एसडीओपी के आश्वासन के बाद शाम को दोनों ओर स्पीड ब्रेकर बना दिए।

नववर्ष की पूर्व संध्या पर निकली वाहन रैलीः लंबी रैली में लहराए भगवा ध्वज

मंदसौर/पिपलियामंडी/दैनिक मालवा हेराल्ड। हिंदू नव वर्ष की पूर्व संध्या पर हिंदू उत्सव समिति द्वारा मंगलवार को भव्य वाहन रैली का आयोजन किया गया। वाहन रैली में बड़ी संख्या में शहर व आसपास के हिन्दू संगठन कार्यकर्ताओं समेत आमजन भी शामिल हुए। मंगलवार शाम शहर के गांधी चौराहा विश्वपति महादेव मंदिर से वाहन रैली शुरू हुई तो पूरा शहर भगवा पताको में सिमटा हुआ नजर आया। करीब 2 किलोमीटर लंबी वाहन रैली में युवाओं का जोश देखते ही बन रहा था। हजारों की संख्या में युवा और आमजन अपनी बाइक और भगवा पताका के साथ रैली में शामिल हुए। वहीं, बड़ी संख्या में मातृशक्ति भी अपने दोपहिया वाहन के साथ शामिल हुईं। रैली पं.

भीमाशंकर शास्त्री, पं. मिथिलेश नागर, सीता बहन, भागवताचार्य देवेंद्र शास्त्री, रामदास महाराज (तीन छत्री बालाजी वाले) के सान्निध्य में शुरू हुई। गांधी चौराहा से शाम 4 बजे शुरू हुई रैली सरदार वल्लभभाई पटेल चौराहा, गुप्ता कचोरी कॉर्नर, आनंद गरबा (बंटी चौराहा), ओमप्रकाश पुरोहित मार्ग, रानी लक्ष्मीबाई चौराहा, भगवान महावीर मार्ग (श्रीकोल्ड चौराहा), महाराणा प्रताप चौराहा, नयापुरा रोड, वरुण देव मंदिर शुक्ला चौक, गणपति चौक, बड़ा चौक, वीर सावरकर सेतु, मुंडी गेट, आजाद चौक, भारत भारत माता चौराहा, बड़े बालाजी होते हुए पुनः विश्वपति शिवालय गांधी चौराहा पर पहुंची, जहां रैली का समापन हुआ।

झूलेलाल जन्मोत्सव पर निकलेगी शोभायात्रा निकलेगी भंडारे का भी होगा आयोजन

मंदसौर/दैनिक मालवा हेराल्ड। पूज्य सिन्धी जनरल पंचायत एवं वरूणदेव संचालन समिति के तत्वावधान में भगवान झूलेलाल के 1073वें जन्मोत्सव (चेटीचंद) को सकल सिन्धी समाज 23 मार्च को रूप से मनायेगा। चेटीचंद के अवसर पर 23 मार्च को अनेक आयोजन होंगे जिसमें प्रातः 9.30 बजे वरूणदेव मंदिर पर ध्वजारोहण होगा। युवा संगठन द्वारा प्रातः 10.30 बजे वरूणदेव मंदिर से वाहन निकाली जाएगी जो नगर भ्रमण कर पुनः वरूणदेव मंदिर पर सम्पन्न होगी। दोपहर 12.30 से 3 बजे तक माहेश्वरी धर्मशाला नयापुरा रोड़ पर महाप्रसादी (भंडारा) आयोजित होगा। सायं 5 बजे वरूणदेव मंदिर में ज्योत प्रज्जवलन पश्चात शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा समापन पश्चात् माहेश्वरी धर्मशाला पर रात्रि 9.30 से 11 बजे तक महाप्रसादी (भंडारा) होगा।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की हड़तालः काले कपड़े पहन, हाथों में काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

मंदसौर/दैनिक मालवा हेराल्ड। परियोजना अधिकारी संघ व पर्यवेक्षक संघ व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संगठन के तमाम कार्यकर्ता सात दिनों से कामबंद हड़ताल पर है। आज हड़ताल का सातवां दिन है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शहर के दशपुर कुंज में बैठकर धरना प्रदर्शन कर रही है।

आंगनवाड़ी संगठन की प्रदेश महासचिव संगीता जैन ने बताया कि उनकी नियमितीकरण की मुख्य मांग सहित अन्य मांगें है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अपनी मांगों के लिए लम्बे समय से प्रदर्शन कर रही है। संगठन द्वारा पूर्व में भी हड़ताल और धरना प्रदर्शन कर चुकी है। मंगलवार को धरना स्थल पर प्रदर्शन कर रही आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने काले कपडे पहन हाथो में काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन कर रही आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का कहना है कि महिला व बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी व पर्यवेक्षक तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका विगत 30 वर्षों से अपनी जायज मांगों को लेकर संघर्षरत है।

अंतिम संस्कार के दौरान उड़ी मधुमक्खियों के हमले में 10 घायल

मंदसौर/पिपलियामंडी/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्मशान घाट में मधुमक्खियों के हमले से करीब 10 ग्रामीण घायल हो गए। जानकारी के अनुसार बरखेड़ापंथ में मंगलवार को हमेरीबाई पति नवलराम नेवाड़िया का निधन हो गया। जिनके अंतिम संस्कार के लिए ग्रामीण व समाजजन श्मशान घाट गए, अंतिम संस्कार हो रहा था, इस दौरान दोपहर 12 बजजे करीब धुए से पेड़ पर बैठी मधुमक्खियां उड़ गई, और वहां मौजूद लोगों को डंक लगाने लगी, इसके बाद वहां भगदड़ मच गई। लोगों ने भागकर, टावेल, कंबल ओढ़कर हमले से बचाव किया। करीब 10 लोगों के डंक मारे, जिन्होंने निजी अस्पतालों में इलाज कराया।

दो बार पूर्व में भी हो चुकी है घटना...उल्लेखनीय है कि बरखेड़ापंथ श्मशाम घाट में दो बार पूर्व भी इस तरह की घटना हो चुकी है, जिसमें मधुमक्खियों से हमले से ग्रामीण घायल हुए थे, उस दौरान मधुमक्खियों को हटवाया भी गया था, लेकिन फिर छत्ता बना लिया।

पिता की हत्या करने वाले बेटे को उम्रकैद की सजा

मंदसौर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अपर सत्र न्यायाधीश उत्सव चतुर्वेदी की कोर्ट ने पिता की हत्या करने वाले बेटे धीरज सिंह पिता सुजानसिंह सौधिंया राजपूत (35) निवासी फरन्या खेडी थाना गरोठ जिला मंदसौर को हत्या का दोषी पाते हुए आजीवन कारावास और 12 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है।

विशेष लोक अभियोजक रमेश गामड ने बताया गया कि आरोपी धीरपसिंह पारिवारिक विवाद के कारण अपने परिवार से अलग रहता था। दिनांक 17 जनवरी 2021 की रात को आरोपी धीरपसिंह अपने पिता के घर गॉव फरन्या खेडी आया था इस पिता पुत्र के बीच विवाद हुआ और क्रोधित होकर बेटे ने पिता के सिर पर लकडी से जोर से वार किया, जिससे उसके पिता वही जमीन पर गिर गए। छोटा भाई बीच बचाव करने आया तो उसके साथ भी मारपीट कर उसका हाथ तोड दिया। चिल्ला चोट होने से आरोपी मौके से भाग गया। घायल पिता को छोटा बेटा अस्पताल लेकर पहुचा जहा डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित किया था। मृतक के छोटे पुत्र दाणीसिंह की रिपोर्ट पर थाना गरोठ पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। इस दरमियान पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। प्रकरण में जांच पूरी होने के बाद एसआइ शिवांशु मालवीय कोर्ट में चालान शीट पेश की। प्रकरण में न्यायालय के समक्ष विषेष लोक अभियोजक रमेश गामड द्वारा रखे गये तथ्यो व 16 साक्षियों के कथन करवाए गए, जिसके आधार पर कोर्ट ने आरोपी बेटे धीरपसिंह द्वारा अपने पिता की हत्या का दोषी मानते हुए आजीवन कारावास एवं 12 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है।

श्रम कल्याण मंडल को मिला आई.एस.ओ. सर्टिफिकेट

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश श्रम कल्याण मंडल को आई.एस.ओ. 9001-2015 क्वालिटी मेनेजमेंट सिस्टम प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है। रीवा जिले के मऊगंज में 4 मार्च को हुए कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष श्री भगवानदास गोंडाने ने प्रमाण-पत्र प्राप्त किया। म.प्र. भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष श्री हेमंत तिवारी को भी आई.एस.ओ. प्रमाण पत्र दिया गया। उल्लेखनीय कि म.प्र. श्रम कल्याण मंडल को यह प्रमाण पत्र संगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए संचालित विभिन्न श्रमिक कल्याण योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन तथा प्रदेश की विभिन्न औद्योगिक इकाइयों एवं स्थापनाओं से प्राप्त होने वाले अभिदाय संग्रहण के लिए प्रदान किया गया है। रीवा जिले के मऊगंज में हुए कार्यक्रम में म.प्र. श्रम कल्याण मंडल की श्रमिक साहित्य पुरस्कार योजना में चयनित रचनाकारों को पुरस्कृत किया गया है। योजना में चयनित श्रमिकों को 5 हजार रूपये, स्मृति चिन्ह तथा प्रशस्ति-पत्र दिया जाता है।

पेंशनर समाज का जिला स्तरीय अधिवेषन सम्पन्न

बड़नगर/दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़नगर पेंशनर समाज का जिला स्तरीय अधिवेषन सम्पन्न हुआ अधिवेशन का शुभारम्भ मुख्य अतिथी श्याम सुन्दर भुतड़ा संभागीय अध्यक्ष उज्जैन एवं हरिकिशन मेलवाणी अध्यक्ष गीता भवन बड़नगर एवं विषेश अतिथी आर.सी. मिश्रा प्रान्तीय महामंत्री भोपाल, अरूण कुमार नीमा जिला अध्यक्ष उज्जैन, मोहनलाल लोहार खाचरोद, एम.एल. पाटीदार तराना, सुरेन्द्रसिंह घटीया, वाय.एस. चौहान महिदपुर ने द्विप प्रज्वलीत कर किया सरस्वती वन्दना सुश्री स्वाती मिश्रा द्वारा कि गई स्वागत उद्बोधन बड़नगर अध्यक्ष भरतलाल शर्मा ने किया मंचासीन अतिथीयो का स्वागत एवं सम्मान बालकृष्ण पोरवाल, गोविन्द जोशी, रमाकांत आचार्य, रमेश राठोड के द्वारा किया गया पेशनर समाज के वरिष्ठ जन जिनकी उम्र 75 वर्ष से अधिक हो गई थी कुल 31 लोगो का शाल श्रीफल, माला एवं पगड़ी पहना कर किया गया। स्वागत कार्य कार्यकारीणी के सदस्य रामेश्वर कोट, हरगोविन्द मेलवाणी, नटवरलाल पटवारी, वीरेन्द्रसिंह राठौर (आजाद) योगेश आचार्य, प्रकाश पंचोली, गजेन्द्रसिंह राणावत, गोविन्द सिंह पंवार, सुभाष गुप्ते एवं सत्यनारायण पटवारी द्वारा किया गया। विशेष सम्मान कोरोना काल मे सेवाये देने वाली सुश्री देवकी सिस्टर, सुश्री उषा पण्डया एवं आजिवन सदस्यता अभियान मे सर्वाधीक सदस्य बनाने पर रमेश राठोड़ (मण्डी) का मन्च से सम्मान किया गया। समस्त अतिथीयो द्वारा अपने उद्बोधन में पेंशनर की मांगो का समर्थन किया गया एवं शासन से निवेदन किया गया की पेंशनर की मोंगे शिघ्र मंजुर करे। उज्जैन जिले के कई पेंशनर इस कार्यक्रम में उपस्थीत हुए कार्यक्रम का संचालन विनोद मकवाना ने किया व आभार उमाशंकर मेहता ने माना।

जनसुनवाई में 60 आवेदन प्राप्त

आगर-मालवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर कैलाश वानखेड़े के निर्देशानुसार मंगलवार को जिला मुख्यालय पर अपर कलेक्टर रवि कुमार सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ डीएस रणदा द्वारा 60 आवेदनों पर जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई में मौके पर निराकरण योग्य आवेदनों को अधिकारियों से निराकरण करवाया गया तथा शेष आवेदन संबंधित अधिकारियों को निराकरण के लिए सौंपे गए।

जनसुनवाई में आवेदिका मनभरबाई निवासी सुसनेर ने पुत्री की आकस्मिक मृत्यु हो जाने पर आर्थिक सहायता प्रदान करवाने हेतु आवेदन दिया। आवेदिका ने बताया कि वह और उसका परिवार कबाड़ एवं पन्नियाँ बिनने का कार्य करता है, कार्य के दौरान पुत्री की मृत्यु विद्युत करंट लगने से हो गई थी। आर्थिक सहायता प्रदान करवाई जाए।

आवेदिका कमलाबाई निवासी सोयतकलां ने प्रधानमंत्री आवास योजना में आवास प्रदान करवाने हेतु आवेदन दिया। आवेदिका ने बताया कि उसका पूर्व में निर्मित कच्चा आवास वर्ष-2019 में अधिक वर्षा होने के कारण गिर गया था, जब से पूरा परिवार किराया के मकान में निवास कर रहा है, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलवाया जाए, जिससे कि पुनः आवास का निर्माण हो सकें।

आवेदिका चांद बी निवासी तनोड़िया ने विद्युत बिल की अधिक राशि आने पर आवेदन देकर बताया कि विद्युत विभाग द्वारा 19 हजार रुपए का बिल प्रदाय किया गया है। परिवार की स्थिति अत्यंत दयनीय होने से अधिक राशि का बिल जमा करना नमुमकिन है, जिससे विभाग द्वारा कनेक्शन विच्छेद किया गया है। बिल सुधार करवाकर नियमानुसार बिल प्रदाय करवाया जाए।

आवेदक कृषक सागीर खां निवासी सुसनेर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ प्रदान करवाने, जनसुनवाई में राधेश्याम पिता गंगाराम निवासी बांसखेड़ी ने उसकी अधिपत्य की भूमि पर कब्जा दिलवाने, सोनाबाई निवासी आगर ने प्रसूति सहायता योजना का लाभ दिलवाने, राधेश्याम पिता कालू निवासी खेरिया ने उसकी भूमि का सही बंटवारा करवाने के लिए आवेदन दिया।

माँ चामुण्डा के प्रांगण में मेले की तैयारी विधायक दिलीपसिंह गुर्जर करेंगे शुभारंभ - भरावा

विधायक दिलीपसिंह गुर्जर 22 मार्च को करेंगे मेले का विधिवत शुभारंभ

खाचरोद/ दैनिक मालवा हैराल्ड/ मुरलीदास बैरागी। उज्जैन के खाचरोद में नवरात्रि मेले में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रंग दिखाई देंगे विधायक दिलीपसिंह गुर्जर 22 मार्च को करेंगे मेले का विधिवत शुभारंभ खाचरोद नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद भरावा ने बताया कि शाम 7-00 बजे मेले का शुभारंभ माता रानी के दरबार में दीप प्रज्वलन कर किया जाएगा इस दौरान विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे जिसमें प्रथम दिवस संगीतमय सुंदरकांड दूसरे दिन आर्केस्ट्रा तीसरे दिन खाटू श्याम भजन संध्या चौथे दिन बॉलीवुड नाइट पांचवे दिन रंगीला राजस्थान छठे दिन माता का जगराता सातवें दिन स्टार नाइट आठवें दिन कवि सम्मेलन एवं अंतिम दिवस पर मराठी गुजराती पंजाबी नृत्य की प्रस्तुति कलाकारों द्वारा दी जाएगी। मेला आयोजन को देखते हुए तथा मेले को भव्य स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से नगर पालिका द्वारा विभिन्न प्रकार के झूले चकरी भी मेला प्रांगण में लगाए गए हैं साथ ही मंदिर परिसर एवं मेला प्रांगण में आकर्षक विद्युत सज्जा भी नगर पालिका द्वारा करवाई गई है नगर पालिका अध्यक्ष भरावा द्वारा नगर की समस्त धर्म प्रेमी जनता से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर मां चामुंडा माता मंदिर परिसर में आयोजित किया जायेगा।

3508 यूनिट रक्त हुआ संग्रहित

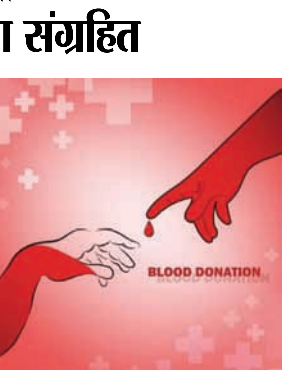

सलसलाई/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहीद दिवस 23 मार्च के उपलक्ष्य में शाजापुर जिले में 21 मार्च को 22 स्थानों पर आयोजित हुये रक्तदान शिविरों में कुल 3508 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ है। जिले में सर्वाधिक कुल 503 यूनिट रक्त संग्रहण प्रेस क्लब द्वारा आयोजित जिला चिकित्सालय के शिविर में हुआ। इसके बाद दूसरे नम्बर पर शुजालपुर के जेएनएस महाविद्यालय शुजालपुर में 262 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ। इसी तरह जिले में नगर परिषद अकोदिया मण्डी में 251 यूनिट, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मक्सी में 240 यूनिट, गणेश मंदिर परिसर बेहरावल में 227 यूनिट, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पोलायकलां में 211 यूनिट, शासकीय स्कूल जाबडिया घरवास में 189 यूनिट, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अवंतिपुर बड़ोदिया में 172 यूनिट, जनपद पंचायत कालापीपल में 158 यूनिट, अंबेडकर भवन पुरानी नगरपालिका शाजापुर में 153 यूनिट, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गुलाना में 153 यूनिट, बीकेएसएन महाविद्यालय शाजापुर में 123 यूनिट, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बेरछा में 116 यूनिट, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मोहन बड़ोदिया में 114 यूनिट, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तिलावद मैना में 106 यूनिट, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अरनियाकला में 101 यूनिट, शासकीय महाविद्यालय नांदनी में 95 यूनिट, पंचायत भवन जेठड़ा में 93 यूनिट, शहीद भगतसिंह स्मारक के सामने नवीन बस स्टेंड दुपाड़ा में 82 यूनिट, पंचायत भवन कडवाला में 71 यूनिट, पंचायत भवन रायपुर में 48 यूनिट एवं माउमावि. नवीन भवन खरदोनकलां में 40 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ।

नेकी की दीवार ,मिर्ची बाजार पर महिला समाजसवी ग्रीष्मा संदीप शाह के जन्म दिवस पर मनाया आंनद उत्सव

शुजालपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शुजालपुर में नेकी की दीवार, मिर्ची बाजार पर सतत सहयोगी ,सेवाभावी, समाजसेवी ग्रीष्मा संदीप शाह ने बच्चों के बीच पहुंचकर अपना जन्म दिन मनाया इस अवसर पर समाजसेवी ग्रीष्मा शाह के द्वारा बच्चों के बीच बिस्किट वितरित कर जन्मदिन पर आनंद उत्सव। मनाया इसी दौरान निशुल्क कोचिंग के बच्चों ने भी ग्रीष्मा संदीप साह को बधाइयां दी।कार्यक्रम में तेजकिरण जैन, संध्या धारीवाल, वीणा गोयल,रिंकू सोलंकी, परमजीत कौर खालसा, मीना चौधरी ,शैलजा देशमुख, पुष्पा शाह, लता विजयवर्गीय, शुभी विजयवर्गीय आदि उपस्थित रहे। जहां इनके द्वारा समाजसेवी ग्रीष्मा शाह के जन्मदिन पर उनको बधाई दी और भारतीय संस्कृति अनुसार अपना जन्मदिन मनाया।

जो विवाह प्रशासन नही करा पाई, उसे धूम धाम से कराएंगे गौतम

40 जोड़ो का होगा नि शुल्क सामूहिक विवाह ››कई वीआईपी भी आशीर्वाद देने होंगे शामिल

बदनावर/मनीष शर्मा/दैनिक मालवा हेराल्ड। हल्दी लगे जोड़ो को जब पता चला की प्रशासन ने मुख्यमंत्री विवाह कार्यक्रम को फिर से निरस्त कर दिया है तो परिवार में मातम जैसा माहौल हो गया। रिश्तेदार एवम गांव में लोग हसी उड़ाने लग गए। जब इस तरह की परेशानी कांग्रेस नेता बालमुकुंद गोतम को पता चली तो उन्होंने आगे बड़ कर निःशुल्क विवाह कराने का निर्णय लिया। आज ग्राम खेड़ा में पाटीदार समाज धर्मशाला में 40 जोड़ो का विवाह गोतम के मार्गदर्शन में होने वाला है। सभी जोड़े श्री बैजनाथ महादेव मंदिर पर एकत्रित होकर सुसज्जित वाहन पर सभी जोड़ो का जुलूस बस स्टैंड होकर, लक्ष्मीबाई मार्ग, सोमेश्वर चौराहा, दुर्गा चौक, सभा मंच, जवाहर मार्ग, निचलावास होते

हुवे खेड़ा में पाटीदार धर्मशाला में पहुंचेंगे। जहा पंडितजी द्वारा बनाई गई 40 वेदी पर इन जोड़ो का वैदिक धर्मानुसार विवाह संपन्न कराया जायेगा। विवाह में सभी जोड़ो को गृहस्ती का सामान लगभग 30 हजार मूल्य का उपहार में दिया जायेगा। नगर के कई सामाजिक संगठन, व्यक्तिगत द्वारा समंच से जुलूस का स्वागत किया जाएगा। विवाह समारोह में समस्त खेड़ा निवासियों, आमजन के साथ लगभग 3 हजार लोगो के भोजन व्यवस्था रखी गई है। विवाह समारोह में प्रदेश के कई विधायक, राजनेता सहित जिला पंचायत सदस्य, मनोज गोतम, अशोक डावर, निर्देश सोनगरा, नगर परिषद

बदनावर के पार्षद महीपाल सिंह पंवार, प्रकाश निनामा, बाबू भाटी, शंकर सिंह चौहान, महेश पाटीदार के साथ आमजन भी इस विवाह समारोह में शामिल होंगे।

बालमुकुंद गोतम एक राजनेता के साथ सामाजिक कार्यकर्ता भी है। गोतम ने अपने जीवन मैं कई बार नि शुल्क सामूहिक विवाह, कई मंदिर निर्माण के साथ धार्मिक आयोजन में भी निस्वार्थ भाव से तन मन धन से सहयोग प्रदान करते आ रहे है। इसलिए गोतम का पूरी विधानसभा में लाखो प्रसंशक है।

किसान सम्मान निधि से कृषि के लिये उपयोगी अतिरिक्त सामग्री क्रय करने में हुई सुविधा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। तराना के किसान मोहन पंवार एक लघु सीमांत कृषक हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत उन्हें समय-समय पर किश्तों में राशि प्राप्त हो रही है। इस राशि की सहायता से कृषि के लिये उपयोग में आने वाली दवाईयां एवं अन्य सामग्री क्रय करने में उन्हें काफी सुविधा होती है। पहले कई बार इसके लिये उन्हें लोगों से कर्ज लेना पड़ता था, परन्तु सम्मान निधि से प्राप्त होने वाली राशि से अब वे कृषि के उपयोग में आने वाली सामग्री क्रय करते हैं। मोहन पंवार इस योजना के लिये प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हैं।

उपयोगिता का सामान लाने में मिली मदद

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। तराना के किसान वीरेन्द्र सिंह परिहार के पास 35 बीघा जमीन है। वे एक मध्यम किसान हैं। उन्हें किसान सम्मान निधि योजना के तहत अलग-अलग किश्तों में राशि प्राप्त हो रही है। इन रुपयों की सहायता से घर का राशन और अन्य उपयोगिता का सामान लाने में उन्हें काफी मदद प्राप्त हो रही है। साथ ही परिवार के सदस्यों की बीमारी के उपचार में भी काफी मदद मिल जाती है। वीरेन्द्र सिंह इसके लिये प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हैं।

माननीय सांसद लोकसभा रतलाम झाबुआ आलीराजपुर की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं मूल्यांकन समिति (दिशा) की बैठक 25 मार्च को सायं 04:00 बजे

पूर्व में यह बैठक प्रातः 11:00 बजे आयोजित थी

झाबुआ/माणक लाल जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। 2023 गुमानसिंह डामोर सांसद लोकसभा रतलाम झाबुआ आलीराजपुर की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं मूल्यांकन समिति (दिशा) की बैठक दिनांक 25 मार्च, 2023 शनिवार को सायं 04:00 बजे कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित की गई है। पूर्व में यह बैठक प्रातः 11:00 बजे आयोजित थी।

बैठक में जिला स्तरीय दिशा समिति जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) बैठक में मुख्य रुप से ग्रामीण विकास विभाग, खाद्य विभाग, उद्योग विभाग, कृषि विभाग, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, वन विभाग, जल संसाधन विभाग, संभागीया यंत्री, परियोजना क्रियान्वयन ईकाई, म.प्र. सडक विकास निगम लिमिटेड, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, नेशनल हाईव, रेलवे, भारत संचार निगम लिमिटेड आदि विभागों के संबंध में चर्चा की जायेगी।

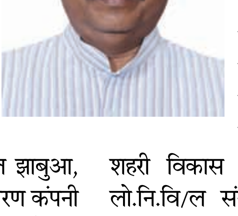

बैठक में पुलिस अधीक्षक, जिला झाबुआ, वन मंडलाधिकारी सामान्य वन मंडल झाबुआ, अधीक्षण यंत्री मंत्र, राज्य पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी झाबुआ, महाप्रबंधक, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क परियोजना झाबुआ, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी झाबुआ, उपसंचालक कृषि/पशु चिकित्सा सेवायें/पंचायत एवं सामाजिक न्याय झाबुआ, जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग झाबुआ, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला झाबुआ, महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र झाबुआ, परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण झाबुआ, कार्यपालन यंत्री, लो.नि.वि/ल संसा./ग्रा.या. से, जिला झाबुआ, जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी एनआईसी झाबुआ, जिला प्रबंधक, नागरिक आपूर्ति निगम, झाबुआ, सहायक संचालक, उद्यानिकी/मत्स्य झाबुआ, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास झाबुआ, जिला जन सम्पर्क अधिकारी, झाबुआ, पंजीयक सहकारी संस्थाये, परियोजना प्रशासक, आय.टी.डी.पी. झाबुआ, जिला योजना अधिकारी आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, जिला झाबुआ,. जिला परियोजना समन्वयक, सर्व शिक्षा अभियान झाबुआ, लीड बैंक अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा, झाबुआ, समन्वयक,महाप्रबंधक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ,नर्मदा झाबुआ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित झाबुआ, मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगरपालिका झाबुआ विभाग से संबंधित जानकारी लेकर

सम्पादकीय

यौन शोषण पर सियासत

केंद्र सरकार, भाजपा बनाम राहुल गांधी की ऐसी सियासत देशहित में नहीं है। इससे हंगामा, उत्तेजना, अराजकता का माहौल तो बन सकता है, लेकिन देश और उसके नागरिकों को कुछ हासिल नहीं होगा। बलात्कार और यौन शोषण जघन्य अपराध हैं। यदि उनकी आड़ में भी एक-दूसरे को अपमानित करने की मंशा महसूस हो, तो इन अपराधों के संदर्भ में न्याय कब होगा? राजधानी दिल्ली में ही यौन शोषण के औसतन 40 मामले हररोज़ सामने आते हैं। खौफनाक और बर्बर मामले भी राजधानी के हिस्से दर्ज होते रहे हैं। न्याय के सवाल पुलिस और अदालत दोनों पर हैं, क्योंकि यौन शोषण, उत्पीडऩ के अधिकतर मामलों में पुलिस का सक्रिय सरोकार बहुत कम देखा गया है। हमारा फोकस फिलहाल दिल्ली पुलिस पर है, क्योंकि उसी के विशेष आयुक्त, जिला उपायुक्त स्तर के अधिकारी पूरे पुलिस बल के साथ कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के आवास पर गए थे। करीब अढाई घंटे तक पूछताछ की गई। कांग्रेस नेता न तो आरोपित हैं और न ही उनके खिलाफ कोई प्राथमिकी दर्ज है। उनकी भूमिका महज इतनी है कि बीती 30 जनवरी को श्रीनगर में 'भारत जोड़ो यात्रा' के समापन पर उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि कुछ महिलाओं ने उनसे मिल कर अपनी पीड़ा, अपने दर्द साझा किए थे कि महिलाओं के साथ बलात्कार किए गए। उनके यौन उत्पीडऩ किए गए और छेड़छाड़ तो आम बात है। बेशक यह मुद्दा बेहद संवेदनशील है। राहुल गांधी ने यौन शोषण की पीड़िताओं से पूछा था कि क्या वह पुलिस को बताएं? पीड़िताओं ने ऐसे मामलों को सार्वजनिक करने से इंकार कर दिया, क्योंकि उनकी परेशानियां बढ़ सकती थीं! संवैधानिक दायित्व कुछ और ही हैं। राहुल गांधी वरिष्ठ लोकसभा सांसद हैं, लिहाजा सीआरपीसी के तहत यह उनका दायित्व था कि बलात्कार सरीखे अपराध के खुलासे पुलिस को करें। हमारे कानून और नैतिकता के मुताबिक, यौन शोषण की पीड़िता और उसके परिवार की पहचान को गोपनीय रखा जाता है। नाम तक सार्वजनिक नहीं किया जाता। पीड़िता का एक प्रतीक-नाम तय कर लिया जाता है। मीडिया में भी वही नाम छापा जा सकता है। बेशक राहुल गांधी के संबोधन के 45 दिन बाद दिल्ली पुलिस ने उन्हें नोटिस दिया और आनन-फानन में उनके आवास पर भी धमक गई, लेकिन इसी दलील पर यह मुद्दा छोड़ा नहीं जा सकता। दरअसल यहीं से सियासत की शुरुआत होती है। राजस्थान के कांग्रेसी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने यहां तक बयान दे दिया कि 'ऊपर' के आदेश के बिना पुलिस इस तरह आ ही नहीं सकती। कांग्रेस ने इस पुलिसिया कार्रवाई को भी अडानी समूह वाले मुद्दे से जोड़ दिया। कई बार सिर पीटने को मन करने लगता है कि हर सवाल, हर आरोप या हर कार्रवाई का जवाब अडानी कैसे हो सकता है? कांग्रेस प्रवक्ता एकदम प्रलाप की मुद्रा में आ गए कि राहुल गांधी किसी से डरने वाले नहीं हैं। सावरकर समझा है क्याज्नाम राहुल गांधी है।'' कोई कांग्रेस से पूछे कि महान क्रांतिकारी वीर सावरकर का नाम इस प्रकरण में घसीटने की जरूरत क्या थी? दरअसल पुलिस अधिकारी जानना चाहते थे कि वे महिलाएं कहां की हैं? कश्मीर की हैं या देश में किन हिस्सों की हैं? क्या उनमें दिल्ली की महिलाएं भी थीं? वे महिलाएं अब कहां हैं? क्या कोई नाबालिग लडक़ी भी शामिल थी? इस केस की सम्यक जानकारी भी जरूरी है और राहुल गांधी को विस्तृत जवाब देना भी चाहिए। हालांकि उन्होंने 4-पृष्ठीय शुरुआती जवाब पुलिस को भेज दिया है। शेष के लिए 8-10 दिन मांगे हैं। यह मुद्दा पेगासस, राफेल, आरएसएस, महात्मा गांधी की हत्या और किसान आंदोलन आदि से अलग है। उन मुद्दों पर कांग्रेस नेता ने विवादित और असत्य बयान दिए थे, संसद भी लंबे वक्त पर अवरुद्ध रखी गई और सर्वोच्च अदालत में माफी भी मांगनी पड़ी।

शुभता, शुचिता व शक्ति की आराधना का पर्व - गुड़ी पड़वा

(प्रथम नवरात्रि मां शैलपुत्री की होगी आराधना)

वन्दे वाञ्छितलाभाय चन्द्रार्धकृतशेखराम।
वृषारूढां शूलधरां शैलपुत्रीं यशस्विनीम॥

भारत के प्रमुख पर्वों में से एक है नवरात्रि। चैत्र नवरात्रि का प्रथम दिवस लूनार कैलेंडर के अनुसार भारतीय नव वर्ष के रूप में उत्साह पूर्वक मनाया जाता है।

नवरात्रि में देवी के नौ रूपों का पूजन व साधना की जाती है वस्तुतः यह सभी स्वरूप स्वयं आदिशक्ति द्वारा समय व आवश्यकतानुसार धारण किए गए। स्वयं आदिशक्ति श्री माताजी निर्मला देवी जी ने अपनी अमृतवाणी में इसका उल्लेख किया है

देवी नौ बार पृथ्वी पर आईं, देवी ने उन सभी लोगों से युद्ध किया जो साधकों का विनाश कर रहे थे तथा उनका जीवन दूभर कर रहे थे। सताए हुए इन महात्माओं ने देवी से प्रार्थना की, उन्होंने भगवती की पूजा की और देवी नौ बार आवश्यकतानुसार अवतरित हुईं।

नवरात्रि के प्रथम दिवस मां शैलपुत्री की आराधना की जाती है। मां शैलपुत्री, श्री आदिशक्ति का प्रथम अवतरण मानी जातीं हैं क्योंकि इससे पूर्व श्री आदिशक्ति सुरभि गाय के रूप में अवतरित हुई थीं। उन्होंने हिमालय में जन्म लिया था इसलिए उन्हें शैलपुत्री (हिमालय की पुत्री) कहा जाता है।

चैत्र नवरात्रि का प्रथम दिवस भारत के कुछ भागों में गुड़ी पड़वा के रूप में भी मनाया जाता है महाराष्ट्र मैं विशेष तौर पर इसे भव्य रुप में आयोजित किया जाता है श्री माताजी ने गुड़ी पड़वा का वर्णन अपनी अमृतवाणी में इस प्रकार किया है कि,

यह दिन इसलिए मनाया जाता है क्योंकि यह नए साल का दिन है।... इसे गुड़ी पड़वा कहते हैं। इस दिन वे एक छोटे से झंडे के साथ एक छड़ी पर एक छोटा घड़ा डालते हैं। घड़ा कुंडलिनी का प्रतिनिधित्व करता है।

इस गुड़ी पड़वा कुंडलिनी शक्ति की मात्र प्रतीकात्मक पूजा ना करके अपनी कुंडलिनी शक्ति को साक्षात जागृत करने का प्रयत्न करें। श्री माता जी के सानिध्य में कुंडलिनी जागरण द्वारा अपना आत्म साक्षात्कार प्राप्त कर कुंडलिनी शक्ति की चैतन्य लहरियों का आनंद सम अनुभव करें।

कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने sahajayoga.org.in और टोल फ्री नम्बर 18002700800 पर सम्पर्क करें।

चैत्र नवरात्रि पर अत्यंत शुभ योग, ध्यान रखें कलश स्थापना मुहूर्त और सही दिशा

शास्त्रों की बात, जानें धर्म के साथ

चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ होने जा रहा है। प्रत्येक वर्ष नवरात्रि पर्व चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से प्रारंभ हो जाती है। नवरात्रि के प्रथम दिन पर शुभ मुहूर्त में घटस्थापना करने से विशेष लाभ मिलता है।

22 मार्च 2023, बुधवार दिन से चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ हो जाएगा। मां भगवती की उपासना के लिए समर्पित चैत्र नवरात्रि में साधकों को शुभ मुहूर्त में घटस्थापना और मूर्तिस्थापना करनी चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और साधकों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती है।

आइए जानते हैं कलश स्थापना का मुहूर्त और नियम।

आज से हो रहा है चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ, नौ दिन अर्पित करें मां दुर्गा को यह भोग

चैत्र नवरात्रि 2023 घटस्थापना मुहूर्त

हिन्दू पंचांग के अनुसार चैत्र कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि यानि 22 मार्च 2023, बुधवार के दिन साधक घटस्थापना सुबह 06 बजकर 14 मिनट से सुबह 07 बजकर 55 मिनट तक कर सकते हैं। बता दें कि घटस्थापना मुहूर्त द्विस्वभाव मीन लग्न की अवधि में है।

चैत्र नवरात्रि 2023 कलश स्थापना नियम

चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन साधक मां दुर्गा की प्रतिमा और कलश उत्तर-पूर्व दिशा में स्थापित करें। पूजा-पाठ के लिए इस दिशा को अत्यंत शुभ माना जाता है। इसके साथ अखंड ज्योति की स्थापना आग्नेय कोण में ही करें।

माता की प्रतिमा और कलश को लकड़ी या चंदन से बनी चौकी पर ही स्थापित करें। ऐसा इसलिए क्योंकि शास्त्रों में चंदन को बहुत ही शुभ माना जाता है और शास्त्रों में इसे सकरात्मक उर्जा का केंद्र भी कहा गया है।

चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन घर के मुख्य द्वार पर हल्दी से स्वस्तिक चिन्ह बनाएं और आम या अशोक के पत्तों से बने तोरण को लगाएं। ऐसा करने से घर में सकारात्मक उर्जा का संचार होता है और मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं।

मां दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए चैत्र नवरात्रि में जरूर रखें रंगों का विशेष ध्यान

नवरात्रि के पहले दिन लाल अथवा पीले रंग के वस्त्र पहनकर पूजा करने से विशेष लाभ मिलता है। इन दोनों रंगों को उमंग और प्रसन्नता का प्रतीक माना जाता है। इस बात का भी ध्यान रखें कि पूजा का समय साधक काले रंग का प्रयोग गलती से भी ना करें। ऐसा करने से नकारात्मक उर्जा हावी हो सकती है।

चैत्र नवरात्रि का पहला दिन कैसा होना चाहिए, जानिए घट स्थापना से लेकर देवी पूजा तक के सारे नियम

चैत्र माह की नवरात्रि यानी वसंत नवरात्रि का पहला दिन चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा का दिन होता है। इसी दिन से हिन्दू नववर्ष प्रारंभ होता है। इसीलिए इस नवरात्रि का खासा महत्व है। यह दिन बहुत विशेष होता है क्योंकि इसी दिन से नववर्ष के साथ ही नवरात्रि का पर्व भी प्रारंभ होता है।

आओ जानते हैं चैत्र नवरात्रि का पहला दिन कैसा होना चाहिए, जानिए घट स्थापना से लेकर देवी पूजा तक के सारे नियम।

कैसे करें घट स्थापना और पूजा, जानिए सरल विधि

घट स्थापना मुहूर्त -चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि 22 मार्च को है, नवरात्रि के पहले दिन कलश स्थापना की जाती है। इसके बाद 9 दिनों तक कलश का नियमित पूजन होता है। इस बार कलश स्थापना का शुभ समय सुबह 06 बजकर 14 मिनट से सुबह 07 बजकर 55 मिनट तक श्रेष्ठ समय हैं।

घट और कलश स्थापना - पहले दिन 22 मार्च 2023 को प्रतिपदा के दिन कलश स्थापना और घट स्थापना के बाद माता माँ शैलपुत्री पूजा होती है। माता की पूजा की शुरुआत घट स्थापना से होती है जिसमें जवारे बोए जाते हैं। इसके साथ ही जल भरा एक कलश स्थापित किया जाता है जिसमें चावल, आम या पान के पत्ते के साथ ही नारियल रखा जाता है।

- घट अर्थात मिट्टी का घड़ा। इसे नवरात्रि के प्रथम दिन शुभ मुहूर्त में ईशान कोण में स्थापित किया जाता है। घट में पहले थोड़ी सी मिट्टी डालें और फिर जौ डालें। फिर एक परत मिट्टी की बिछा दें। एक बार फिर जौ डालें। फिर से मिट्टी की परत बिछाएं। अब इस पर जल का छिड़काव करें। इस तरह उपर तक पात्र को मिट्टी से भर दें। अब इस पात्र को स्थापित करके पूजन करें। जहां घट स्थापित करना है वहां एक पाट रखें और उस पर साफ लाल कपड़ा बिछाकर फिर उस पर घट स्थापित करें। घट पर रोली या चंदन से स्वास्तिक बनाएं। घट के गले में मौली बांधे।

- अब एक तांबे के कलश में जल भरें और उसके ऊपरी भाग पर नाड़ा बांधकर उसे उस मिट्टी के पात्र अर्थात घट के उपर रखें। अब कलश के ऊपर पत्ते रखें, पत्तों के बीच में नाड़ा बंधा हुआ नारियल लाल कपड़े में लपेटकर रखें।

- अब घट और कलश की पूजा करें। फल, मिठाई, प्रसाद आदि घट के आसपास रखें। इसके बाद गणेश वंदना करें और फिर देवी का आह्वान करें। अब देवी- देवताओं का आह्वान करते हुए प्रार्थना करें कि हे समस्त देवी-देवता, आप सभी 9 दिन के लिए कृपया कलश में विराजमान हों।

- आह्वान करने के बाद ये मानते हुए कि सभी देवतागण कलश में विराजमान हैं, कलश की पूजा करें। कलश को टीका करें, अक्षत चढ़ाएं, फूलमाला अर्पित करें, इत्र अर्पित करें, नैवेद्य यानी फल-मिठाई आदि अर्पित करें।

धर्म

पं. सतीश नागर
श्री अन्नपूर्णा अनुष्ठान केन्द्र
मो. 9753585323

पहले दिन की पूजा के नियम -

1. पहले दिन माता शैलपुत्री की पूजा होती है। पूजन में शुद्धता व सात्विकता का विशेष महत्व है, इस दिन प्रात्काल स्नान-ध्यान से निवृत हो देवियों का स्मरण करते हुए भक्त व्रत एवं उपवास का पालन करते हुए भगवान का भजन व पूजन करते हैं।
2. नित्य कर्म से निवृत्त होने के बाद कुल देवी की मूर्ति या चित्र को लाल या पीला कपड़ा बिछाकर लकड़ी के पाट पर रखें। मूर्ति को स्नान कराएं और यदि चित्र है तो उसे अच्छे से साफ करें।
3. पूजन में कुल देवी के सामने धूप, दीप अवश्य जलाना चाहिए। जलाए गए दीपक को स्वयं कभी नहीं बुझाना चाहिए।
4. फिर देवी के मस्तक पर हल्दी कुंकू, चंदन और चावल लगाएं। फिर उन्हें हार और फूल चढ़ाएं। फिर उनकी आरती उतारें। पूजन में अनामिका अंगुली (छोटी उंगली के पास वाली यानी रिंग फिंगर) से गंध (चंदन, कुमकुम, अबीर, गुलाल, हल्दी, मेहंदी) लगाना चाहिए।
5. पूजा करने के बाद प्रसाद या नैवेद्य (भोग) चढ़ाएं। ध्यान रखें कि नमक, मिर्च और तेल का प्रयोग नैवेद्य में नहीं किया जाता है।
6. अंत में माता की आरती करें। आरती करके नैवेद्य चढ़ाकर पूजा का समापन किया जाता है।
7. नौ दिनों के दौरान आप चाहें तो दुर्गासप्तशति का पाठ करें या चंडी पाठ करें।

चैत्र नवरात्रि 2023 पर बन रहे हैं ये महासंयोग, जानिए खास बात

फाल्गुन मास समाप्त होने के बाद चैत्र माह प्रारंभ होता है। चैत्र माह के पहले दिन नववर्ष का पहला दिन होता है। चैत्र माह के पहले दिन से ही चैत्र नवरात्रि प्रारंभ होती है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार इस बार नववर्ष का प्रारंभ 22 मार्च बुधवार 2023 को हो रहा है इसी के साथ चैत्र नवरात्र प्रारंभ होगी जो 31 मार्च तक चलेगी। इस बार यह पर्व 3 शुभ योग में मनाया जाएगा।

3 शुभ संयोग-

इस बार नवरात्रि की शुरुआत शुक्ल योग में हो रही है। इसके बाद ब्रह्म योग शुरू हो जाएगा। ब्रह्म योग के बाद इंद्र योग भी लगेगा। इन योगों में देवी की पूजा अर्चना करना बेहद शुभकारी मानी जाती है।

शुक्ल योग -प्रात:9 बजकर 18 मिनट तक।

ब्रह्म योग - 9 बजकर 19 मिनट से अगले दिन सुबह 6 बजे तक रहेगा।

इंद्र योग-ब्रह्म योग के बाद इंद्र योग प्रारंभ होगा।

चैत्र नवरात्रि कलश और घट स्थापना मुहूर्त -

22 मार्च 2023 को सुबह 06 बजकर 29 से सुबह 07 बजकर 39 तक घर स्थापना कर सकते हैं।

ब्रह्म मुहूर्त - प्रात: 05:06 से 05:54 तक।

अमृत काल -सुबह 11:07 से :35 तक।

विजय मुहूर्त-दोपहर 02:47 से 03:35 तक।

संध्याकाल सन्ध्या : शाम 06:50 से 08:01 तक।

चैत्र नवरात्रि के शुभ संयोग, किस सवारी पर आ रही हैं माता रानी

बुधवार, 22 मार्च 2023 (06:10)

चैत्र नवरात्रि का प्रारंभ हो रहा है। चैत्र माह के पहले दिन से ही चैत्र नवरात्रि प्रारंभ होती है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार इस बार नववर्ष का प्रारंभ 22 मार्च बुधवार 2023 को हो रहा है जो 31 मार्च तक चलेगी।

इस बार यह पर्व 3 शुभ योग में मनाया जाएगा और जानिए कि किस पर सवार होकर आ रही है माता रानी।

3 शुभ संयोग - इस बार नवरात्रि की शुरुआत शुक्ल योग में हो रही है। इसके बाद ब्रह्म योग शुरू हो जाएगा। ब्रह्म योग के बाद इंद्र योग भी लगेगा। इन योगों में देवी की पूजा अर्चना करना बेहद शुभकारी मानी जाती है।

शुक्ल योग -प्रात: 9 बजकर 18 मिनट तक।

ब्रह्म योग - 9 बजकर 19 मिनट से अगले दिन सुबह 6 बजे तक रहेगा।

इंद्र योग - ब्रह्म योग के बाद इंद्र योग प्रारंभ होगा।

किस सवारी पर आ रही हैं माता रानी: इस बार चैत्र नवरात्रि 2023 में माता रानी नौका पर सवार होकर आ रही है।

कैसे तय होता हैं। कि मां किस पर सवार होकर आएगी-

शशिसूर्ये गजारूढ़ा शनिभौमे तुरंगमे।
गुरौ शुक्रे चदोलायां बुधे नौका प्रकीर्त्तिता ।।-देवी भागवत पुराण

वार के अनुसार होता है तय कि माता कौनसे वाहन पर सवार होकर आएगी। सोमवार को घट स्थापना होगी तो हाथी पर, शनिवार और मंगलवार को घोड़े पर, गुरूवार और शुक्रवार को डोली में बैठकर, बुधवार को नौका पर सवार होकर आती है माता रानी। इस बार नवरात्र 22 मार्च से शुरू हो रही है। ऐसे में इस बार देवी मां नाव पर सवार होकर आ रही हैं।

क्या होगा नौका पर सवार होकर आने का शुभ-अशुभ असर -

गजे च जलदा देवी क्षत्र भंग स्तुरंगमे।
नोकायां सर्वसिद्धि स्या ढोलायां मरणंधुवम।।
-देवी भागवत पुराण

देवी जब हाथी पर सवार होकर आती हैं तो पानी ज्यादा बरसता है। घोड़े पर आती हैं तो युद्ध की संभावना रहती है। नौका पर सवार होकर आती हैं तो सभी की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। डोली में बैठकर पर आती हैं तो महामारी का भय बना रहता हैं।

इस नवरात्रि अपने राशि के हिसाब से कर लें ये मामूली उपाय, घर में कभी नहीं आएगी पैसों की किल्लत

22 मार्च, 2023 से लेकर 30 मार्च 2023 तक नवरात्रि चलने वाली है.

आइए जानते हैं आपकी राशि के हिसाब से इस नवरात्रि आपको क्या उपाय करने चाहिए.

मां दुर्गा की आराधना का त्यौहार चैत्र (वसंत) नवरात्रि 22 मार्च, 2023 से लेकर 30 मार्च, 2023 तक रहने वाली है. इस दौरान आप बड़ी ही आसानी से मां की कृपा प्राप्त कर सकते हैं. यदि आपको पर्याप्त मात्रा में धन की प्राप्ति नहीं हो रही है या आया हुआ धन आपके पास रूक नहीं रहा है तो आप राशि अनुसार निम्न ज्योतिष उपाय कर सकते है.

आइए श्री अन्नपूर्णा अनुष्ठान केंद्र के आचार्य पंडित सतीश नागर से जानते हैं इस नवरात्रि में आप मां दुर्गा को कैसे प्रसन्न कर सकते हैं, जिससे आपके ऊपर मां की कृपा हमेशा बनी रहे.

मेष राशि

रात में लाल चंदन और केसर घिसकर उससे रंगा हुआ सफेद कपड़ा यदि आप अपने गल्ले अथवा तिजोरी में बिछाएंगे तो उससे आपकी समृद्धि में हमेशा वृद्धि होगी तथा आकस्मिक धनहानि का अवसर भी नहीं आएगा.

शाम के समय घर के मुख्य द्वार पर तेल का दीपक जलाएं तथा उस दीपक में दो काली गुंजा डाल दें तो वर्ष भर आपको आर्थिक रूप से परेशानी नहीं होगी. आपका रुका हुआ धन भी जल्दी ही मिल जाएगा.

स्फटिक या कमलगट्टे की माला से इस मंत्र का जप करें- ॐ ऐं क्लीं सौ

वृषभ राशि

यदि बहुत पैसा कमाने के बावजूद भी आप उसे सेविंग नहीं कर पा रहे हैं तो लक्ष्मी पूजन के साथ-साथ कमल के फूल का भी पूजन करें तथा बाद में इस फूल को लाल कपड़े में बांधकर अपने धन स्थान यानी तिजोरी या लॉकर में रखें.

रात गाय के घी के दो दीपक जलाकर उन्हें किसी एकांत स्थान अपनी मनोकामना बताते हुए पर रख आएं. शीघ्र ही आपकी हर मनोकामना पूरी हो जाएगी.

स्फटिक या कमलगट्टे की माला से इस मंत्र का जप करें- ॐ ऐं क्लीं श्रीं

मिथुन राशि

यदि आप धन की कमी से जूझ रहे हैं तो लक्ष्मी-गणेश पूजन करते समय दक्षिणावर्ती शंख की पूजा करके उसे अपने धन स्थान पर रखें.

यदि आप कर्ज से परेशान हैं तो लक्ष्मी पूजन के बाद गणेशजी की प्रतिमा को हल्दी की माला पहनाएं. इससे आपकी परेशान समाप्त हो जाएगी.

स्फटिक या कमलगट्टे की माला से इस मंत्र का जप करें- ॐ क्लीं ऐं सः

कर्क राशि

यदि आपको धन लाभ की अभिलाषा है तो शाम के समय पीपल के वृक्ष के नीचे तेल का पंचमुखी दीपक जलाएं.

यदि आप त्रिकोण आकृति का झंड़ा विष्णु भगवान के किसी मंदिर में ऊंचाई वाले स्थान पर इस प्रकार लगाएं कि वह लहराता रहे तो तक आपका भाग्य चमक उठेगा.

कर्क राशि के लोग स्फटिक या कमलगट्टे की माला से इस मंत्र का जप करें- ॐ क्ली ऐं श्रीं

सिंह राशि

रात घर के मुख्य दरवाजे पर गाय के घी का दीपक जला कर रखें. यदि वह दीपक सुबह तक जलता रहे तो समझें कि आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा साथ ही मान-सम्मान भी बढ़ेगा.

यदि शत्रु आपको परेशान कर रहे हैं तो दीपावली की शाम को पीपल के पत्ते पर अनार की कलम से गोरोचन के द्वारा शत्रु का नाम लिखकर भूमि में दबा दें.

स्फटिक या कमलगट्टे की माला से इस मंत्र का जप करें- ॐ ह्रीं श्रीं सौंः

कन्या राशि

यदि आपको धन संबंधी कोई समस्या है तो आप लाल रुमाल में नारियल बांधकर अपने गल्ले अथवा तिजोरी में रखें. धन लाभ होने लगेगा. इसके दो कमलगट्टे की माला माता लक्ष्मी के मंदिर में दान अर्पित करें.

यदि आपको नौकरी संबंधी कोई समस्या है तो आप तक रोज मीठे चावल कौओं को खिलाएं. इससे आपकी समस्या का निदान हो जाएगा.

स्फटिक या कमलगट्टे की माला से इस मंत्र का जप करें- ॐ श्रीं ऐं सौंः

तुला राशि

यदि आपको व्यवसाय में घाटा हो रहा है तो आप बड़ के पेड़ के पत्ते पर सिंदूर व घी से ॐ श्रीं श्रियै नमः मंत्र लिखें और इसे बहते हुए जल में प्रवाहित कर दें.

लक्ष्मी की विशेष कृपा पाने के लिए तुला राशि के लोग सुबह स्नान आदि नित्य कर्म करने के बाद किसी लक्ष्मी मंदिर में जाकर 11 नारियल अर्पित करें.

स्फटिक या कमलगट्टे की माला से इस मंत्र का जप करें- ॐ ह्रीं क्लीं श्रीं

वृश्चिक राशि

इस राशि के लोगों को यदि धन की इच्छा है तो वे अपने घर के बगीचे या बरामदे में केले के दो पेड़ लगाएं तथा इनकी देखभाल करें. परंतु इनके फल का सेवन न करें.

यदि परिवार में अशांति है तो नागकेसर का फूल लाकर घर में कहीं छिपा दें. जहां उसे कोई देख न सके.

स्फटिक या कमलगट्टे की माला से इस मंत्र का जप करें- ॐ ऐं क्लीं सौः

धनु राशि

इस राशि के लोग धन प्राप्ति के लिए पान के पत्ते पर रोली से श्रीं लिख कर अपने पूजा स्थान पर रखे तथा रोज इसकी पूजा करें.

यदि तुला राशि के लोग किसी बीमारी से परेशान हैं तो चंद्रमा को अर्घ्य दें और बीमारी के निवारण के लिए प्रार्थना करें. अमावस्या होने से चांद दिखाई नहीं देगा तो भी अर्घ्य दें.

स्फटिक या कमलगट्टे की माला से इस मंत्र का जप करें- ॐ ह्रीं क्लीं सौः

मकर राशि

काफी समय से यदि धन रुका हुआ है तो आक की रुई का दीपक घर के ईशान कोण में जलाएं.

यदि विवाह में बाधा आ रही है तो भगवान विष्णु की पूजा करें और उन्हें पीला वस्त्र, पीली मिठाई अर्पित करें.

स्फटिक या कमलगट्टे की माला से इस मंत्र का जप करें- ॐ ऐं क्लीं सौः

कुंभ राशि

जीवन साथी के साथ नहीं बनती है तो खीर बनाएं इसका भोग लक्ष्मी को लगाएं और फिर स्वयं भी खाएं. इससे दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी.

धन प्राप्ति के लिए नारियल के कठोर आवरण में घी डालकर लक्ष्मीजी के समक्ष दीपक जलाएं. यह दीपक रात भर जलने दें.

स्फटिक या कमलगट्टे की माला से इस मंत्र का जप करें- ॐ ह्रीं ऐं क्लीं श्रीं

मीन राशि

यदि आपको शत्रु पक्ष से परेशानी हैं तो कर्पूर के काजल से शत्रु का नाम लिखकर अपने पैर से मिटा दें.

धन लाभ के लिए किसी लक्ष्मी मंदिर में जाकर कमल के फूल, नारियल अर्पित करें तथा सफेद मिठाई का भोग लगाएं.

कमलगट्टे की माला से इस मंत्र का जप करें- ॐ ह्रीं क्लीं सौ-

सदैव प्रसन्न रहिये।
जो प्राप्त है, पर्याप्त है।।

(पवित्र चैत्र नवरात्रि)नौ माताओं के इस महापर्व के साथ हिंदू नव वर्ष की शुभकामनाएं

पवित्र चैत्र नवरात्रि के शुभारंभ के साथ हिंदू नव वर्ष की आप सभी को शुभकामनाएं अनंत बधाइयां

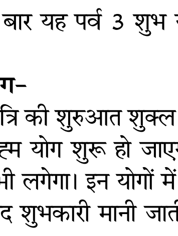

संजीव ठाकुर

नवरात्रि का पहला दिन यानी प्रतिपदा तिथि मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप माता शैलपुत्री को समर्पित माना जाता है। इस दिन जौ (जवार)बोने तथा कलश स्थापना पूजन के साथ ही देवी का पूजन किया जाना शुभ माना जाता हैद्य यह भी शास्त्रों में लिखा गया है कि प्रथम दिवस में माता की पूजा करते समय आराधक यदि लाल, गुलाबी ,नारंगी और रानी रंग के कपड़े पहन कर पूजा करने से माता का संपूर्ण आशीर्वाद प्राप्त होता हैद्य द्वितीय दिवस यानी नवरात्रि के दूसरे दिन अत्यंत दिव्य देवी ब्रह्मचारिणी की उपासना का विधान है सिद्धि के लिए इस दिन मां की उपासना करते समय सफेद,पीले रंग के कपड़े पहनना शुभ माना जाता है एवं इस पवित्र दिन में आराधना करने से मनवांछित इच्छाओं की प्राप्ति होती है। तृतीय दिवस में बाघ पर सवार स्वर्ण के समान रंग एवं छटा वाली मां चंद्रघंटा की पूजा की जाती है।इस दिन पीला, लाल, दूधिया या केसरिया रंग कपड़े पहनना शुभ माने जाते हैं एवं इन रंगों के कपड़े पहनकर देवी की आराधना करने से उनका आशीर्वाद एवं कृपा की प्राप्ति होती है। नवरात्रि में चतुर्थ दिवस में इस भव संसार के ब्रह्मांड की रचना करने वाली दुर्गा मां के चौथे रूप के रूप में देवी कुष्मांडा की आराधना एवं भक्ति की जाति है। इस दिन इस प्रकृति की देवी के स्वरूप की मन से आराधना करना शुभ फल देने वाला है एवं देवी प्रकृति की देवी हैं इनकी उपासना इस दिवस में पीला ,हरा, लाल और भूरे रंग का वस्त्र पहनकर करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है, एवं देवी प्रसन्न होती हैं। नवरात्रि के पावन पर्व पर पंचम दिवस पर पंचमी तिथि को भगवान कार्तिकेय की माता देवी स्कंदमाता की आराधना एवं श्रद्धा के साथ पूजा की जाती है। नवरात्रि के इस पावन पर्व पर छठवें दिन ऋषि कात्यायन की पुत्री कात्यायनी मां की पूजा अर्चना का शास्त्रों में पूजा का विधान माना जाता है। माता कात्यायनी अमोघ फलदाईनी होती हैं भक्तों द्वारा इस दिन लाल, नारंगी, गुलाबी, गेरुआ, मूंगा रंग के कपड़े पहनकर माता रानी की पूजा करने से ऐश्वर्या के साथ वैवाहिक जीवन में शांति सुख समृद्धि प्राप्त होती है। दुर्गा पूजा के सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा तथा अर्चना का विधान है, नवरात्रि की पूजा में तंत्र साधना करने वाले लोग इस दिन काले रंग का वस्त्र धारण करके इनकी पूजा अर्चना करते हैं साधकों को इस दिन बैगनी, स्लेटी ,नीला एवं आसमानी रंग का वस्त्र धारण कर मां के इस दिव्य रूप की पूजा अर्चना करनी चाहिए जिससे संपूर्ण ग्रह बाधाएं दूर होती हैं। नवरात्रि के आठवें दिन सर्व सौभाग्य दाइनी देवी महागौरी की उपासना का दिन माना जाता है। यह अत्यंत पवित्र दिन होता है और यह देवी धन, वैभव, सुख, शांति की शक्तिशाली देवी मानी जाती हैं। इनकी पूजा के दौरान साधकों को रातों को केसरिया संतरी गुलाबी या लाल रंग के वस्त्र धारण करके पूजा करनी चाहिए जिससे सुख एवं सौभाग्य की अखंड प्राप्ति होती है। शिवरात्रि मैं माताओं के नौ रूपों में दुर्गा पूजा के नौवें तथा आखरी दिन संपूर्ण विधि विधान, रीति रिवाज और पूर्ण निष्ठा के साथ देवी की आराधना करने वाले साधकों को संपूर्ण सिद्धियां प्राप्त होती हैं और इनकी उपासना के समय हरा धागों को लाल गुलाबी नारंगी रंग के वस्त्र पहनने से समाज में पद प्रतिष्ठा वैभव एवं धन की प्राप्ति होती है।

नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ रूपों का पूजन अर्चना एवं निष्ठा से की गई आराधना से इस जगत का कल्याण भी होता है साथ ही इस पवित्र 9 दिनों में असंख्य दीप जलाकर माता को प्रसन्न करने का प्रयास किया जाता है। नवरात्रि में उपवास रखने तथा विधि विधान से अर्चना करने से मनुष्य का जीवन तथा परलोक सफल होना शास्त्रों के अनुसार तय माना जाता है। आप सभी को चैत्र नवरात्रि कथा हिंदू नव वर्ष की अनंत शुभकामनाएं एवं बधाइयां।

-संजीव ठाकुर

कुक्षी जिला बनाने हेतु सरपंच -पटेल आगे आये -दरियाव सिंह जमरा

कुक्षी जिला बनाओ आंदोलन÷ को जिला पंचायत सदस्य झेंदली दरियावसिंह जमरा ने समर्थन दिया ››

कुक्षी जिला बनाने हेतु बड़े जनांदोलन का रूप देने पर हुई चर्चा

कुक्षी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कुक्षी को जिला बनाने हेतु पूरे क्षेत्र के सरपंच व पटेलों के समर्थन जुटाकर मुख्यमंत्री जी से प्रतिनिधिमंडल के साथ मिलकर मजबूती से हमारी मांग रखेंगे।उक्त विचार नगर के एक निजी होटल में कुक्षी जिला बनाओ आंदोलन व पत्रकारों की चर्चा के आयोजन में जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि व भाजपा नेता दरियाव सिंह जमरा ने व्यक्त किये।समर्थन पत्र देकर कहा कि, कुक्षी जिला बनाओ आंदोलन सतत प्रयासरत है और अब हम भी पूरी ताकत के साथ खड़े है।मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में जिला पंचायत सदस्य ने लिखा है कि, आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र को वास्तविक विकास की मुख्यधारा में लाने हेतु अब इस मांग को धरातल पर लाना अत्यंत आवश्यक हो गया है।आगामी दिनांक÷ 31 मई 2023 को इसी विषय को लेकर लाखों लोगों के हित व विकास हेतु आंदोलन प्रमुख सोमेश्वर पाटीदार अनिश्चितकालीन उपवास (आमरण अनशन) अपनी जान जोखिम में डालकर करेंगे। इनके नेतृत्व में जारी आंदोलन का समर्थन करते हुए मैं भी इनके आमरण अनशन से पूर्व ही कुक्षी को जिला बनाने की मांग करती हूँ।

उन्होंने कहा कि, वर्तमान जिला मुख्यालय धार की दूरी अधिक होने से कुक्षी, डही क्षेत्र के लोगों को बहुत परेशानी होती है। बिना राजनीतिक विषय बनाये जनहित में कुक्षी को जिला बनाना बहुत ही आवश्यक है।पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश धाड़ीवाल ने कहा कि, सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक संगठन व पदाधिकारियों के समर्थन है और आगे भी समाज व अलग-अलग संगठनों से चर्चा कर आंदोलन को मजबूत करने का काम करेंगे।जिला पंचायत सदस्य झेंदली दरियाव सिंह जमरा के द्वारा 'कुक्षी जिला बनाओ आंदोलन' के समर्थन में मुख्यमंत्री को लिखे पत्र का वाचन आंदोलन सहयोगी वरिष्ठ पत्रकार पं. मनोहर मंडलोई ने किया।कुक्षी जिला बनाओ आंदोलन÷ प्रमुख सोमेश्वर पाटीदार ने जिला पंचायत सदस्य झेंदली जमरा व उनके प्रतिनिधि भाजपा नेता दरियावसिंह जमरा एवं पत्रकार व आंदोलन सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, जनहित मंच जनादेश सरकार÷ का आगामी 20 अप्रैल को आयोजित वार्षिक समारोह कुक्षी जिला बनाने की मांग पर केंद्रित रहेगा।संचालन करते हुए पत्रकार गोपाल सोनी ने कुक्षी जिला बनाओ आंदोलन की गतिविधियों पर बिंदुवार प्रकाश डाला।

इस अवसर पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष लोकेश चौहान एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश गुप्ता, इकबाल कुरैशी, महेंद्र परसाई, अशोक गुप्ता, राकेश गुप्ता, केसी मिस्त्री, राजेश मालवी, मुकेश गुप्ता, पूर्व प्रेस क्लब अध्यक्ष आशीष परसाई,देवेंद्र जैन, सतेंद्र मिश्रा, पं. कमल रावत, ईफराज कुरैशी, सिराज मंसूरी, मनीष भावसार,सज्जाद खान, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा नगर मंडल अध्यक्ष सईद खान, सतीश निरखे, नरेश राठौड़, हितेश बबलू जैन आदि आंदोलन सहयोगी व पत्रकार साथी विशेष रूप से उपस्थित थे।

नवरात्रि में सबकी मनोकामना पूरी करती माँ अमका-झमका

नौ दिनों तक उमड़ेगी श्रद्धालुओं की भीड़

धार/अमझेरा/आशीष पंचोली/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धार जिले के अमझेरा में स्तिथ माँ अमका झमका मंदिर में नवरात्रि पर्व धूम धाम से मनाया जाता है मंदिर प्रकृति की गोद में बसा होने के साथ ही यंहा का प्राकृतिक सौंदर्य के साथ कल-कल बहता झरना लोगों को आकर्षित करता है। कहा जाता है द्वापरकाल में श्रीकृष्ण ने यहीं से रुक्मणि का हरण किया था। ऐसा कहते हैं ये मंदिर रुक्मिणि जी की कुलदेवी का था पौराणिक युग में इसे कुंदनपुर के नाम से जाना जाता था। यहां के राजा भीष्मक और रुक्मणि उन्हीं की पुत्री थी। अमका-झमका मंदिर के कारण ही इस नगर का नाम अमझेरा रखा गया। आज भी मंदिर के पीछे भगवान श्री कृष्ण के रथ के पहियों के निशान दिखे जाते है माँ अमका-झमका को कुलदेवी के रूप में पूजा जाता है नवरात्रि में माता पूजने म.प्र सहित अन्य प्रांतों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शनार्थ यहाँ पहुंचते हैं। सप्तमी और महाष्टमी पर बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ यंहा अधिक रहती है लोग मन्नत मांगते समय मंदिर के पीछे गोबर से उलटे स्वस्तिक बनाते हैं और मन्नत पूरी होने के बाद उसको सीधा करते हैं।

नूतन दीक्षित साध्वी सिद्धम पूर्णा श्रीजी का हुआ प्रथम सुसनेर आगमन

पलक पाँवड़े बिछाकर किया नगरवासियों ने स्वागत

सुसनेर-दैनिक मालवा हेराल्ड। मंगलवार को प्रातः 8 बजे उज्जैन चँवली मार्ग स्थित मंडी गेट चौराहे पर स्थानीय जैन समाज जनों के साथ नगरवासियों तथा भाजपा एवं कांग्रेस के जनप्रतिनिधियों और नेताओं ने साध्वी मण्डल की पलक पाँवड़े बिछाकर अगवानी की। सर्वप्रथम आगर मार्ग पर नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी राहुल सिसोदिया एवं उपाध्यक्ष ममता राकेश जैन खुपवाला ने नूतन दीक्षित साध्वी सिद्धम पूर्णा श्रीजी मा. सा. एवं उनके साथ आये साध्वी मण्डल की अगवानी की। साध्वी मण्डल द्वारा त्रिमूर्ति दिगम्बर जैन मंदिर के दर्शन किये ततपश्चात साध्वी मण्डल का बेंड बाजो के साथ जुलूस के रूप में नगर आगमन हुआ। जुलूस स्थानीय त्रिमूर्ति मन्दिर से नगर के प्रमुख मार्गो से होता हुआ श्री दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर पहुँचा। जहाँ मंगल प्रवचन भी हुए। उसके पूर्व रास्ते मे नगरवासियों ने जगह जगह नूतन दीक्षित साध्वी श्री सिद्धम पूर्णा श्रीजी मा. सा. एवं साथ आये साध्वी मण्डल का स्वागत किया। नगर के अनेक लोगो ने अपने अपने घरों के सामने साध्वी मण्डल के आने पर लकड़ी के पाटिये पर चांवल से स्वस्तिक बनाकर उस पर अपनी श्रद्धानुसार श्रीफल चढ़ाकर चांवल उबार भी किया।

आपको बता दे कि सोमवार को सुसनेर विधानसभा क्षेत्र के नलखेड़ा की बेटी ने संयम जीवन अंगीकार कर जैन भगवती दीक्षा ग्रहण की थी जिनकी बिदाई की बेला सोमवार को नलखेड़ा के लिए इतिहास बन गयी। नलखेड़ा की बेटी जैन साध्वी मण्डल का लालूखेड़ी में विहार के लिए प्रथम पड़ाव हुआ था उसके बाद मंगलवार को प्रातः 8 बजे उनका सुसनेर आगमन हुआ। सुसनेर में ऐसा नजारा दिखाई दिया जैसे वो नलखेड़ा या श्वेताम्बर जैन समाज की बेटी ही नही वरन पूरे समाज एवं क्षेत्र की बेटी हो ऐसा आदर सस्कार एवं स्वागत क्षेत्र के सभी समाज के लोगो ने श्रद्धापूर्वक किया।

कायरा सरपंच ने नवीन विद्यालय भवन स्वीकृत कराने हेतु विधायक राणा को सौंपा ज्ञापन

सुसनेर-दैनिक मालवा हेराल्ड। सुसनेर में रविवार को पुराना बस स्टैंड स्थित राणा हॉउस पर ग्राम पंचायत कायरा के सरपंच बलराम चौहान ने कायरा में नवीन शासकीय बालक माध्यमिक विद्यालय भवन स्वीकृत कराने हेतु क्षेत्रीय विधायक राणा विक्रम सिंह को ज्ञापन सौंपा।आपको बता दे की सरपंच द्वारा विधायक राणा को सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम कायरा में धर्मशाला के अंदर शासकीय बालक माध्यमिक विद्यालय भवन है। जिसमें आये दिन धर्मशाला में कार्यक्रम होते रहते है। जिसके कारण विद्यालय भवन बंद रहता है। जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। इस समस्या को देखते हुए सरपंच ने विधायक राणा से नवीन स्कूल भवन स्वीकृत कराने के लिए ज्ञापन सौंपा है।

सिविल अस्पताल बदनावर में एक नि :शुल्क विशाल नेत्र शिविर का आयोजन किया

बदनावर/दैनिक मालवा हेराल्ड। लायंस क्लब बदनावर जिला अंधत्व निवारण समिति धार एवं मुरलीधर कृपा हॉस्पिटल मक्सी के संयुक्त तत्वाधान में आज सिविल अस्पताल बदनावर में एक निशुल्क विशाल नेत्र शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ एस एल मुजाल्दा मुख्य अतिथि नगर परिषद की अध्यक्ष श्रीमती मीना शेखर यादव विशेष अतिथि सहयोग सेवा संस्था के अध्यक्ष मनोज सोमानी मुरलीधर कृपा हॉस्पिटल मक्सी के प्रबंधक दिनेश सिंह यादव ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर शिविर का शुभारंभ किया

डॉ एस एल मुजाल्दा मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी बदनावर नेत्र सहायक रामगोपाल वर्मा मुरलीधर कृपा हॉस्पिटल मक्सी के प्रबंधक दिनेश सिंह यादव ने शिविर को संबोधित करते हुए मोतियाबिंद के बारे में विस्तृत जानकारी दें उन्होंने अपने उद्बोधन में बताया है कि हमें अंतिम व्यक्ति तक पहुंच कर मोतियाबिंद को चिन्हित कर लेंस प्रत्यारोपण करना है ताकि कोई व्यक्ति मोतियाबिंद की वजह से अपनी आंखों की रोशनी ना गवाए

मनोज सोमानी और लायंस अध्यक्ष कैलाश पुरोहित ने संबोधित करते हुए बताया कि ऐसे शिविरों में सामाजिक संस्थाओं को बढ़-चढ़कर के भाग लेना चाहिए ताकि समाज के प्रत्येक वर्ग के व्यक्ति को इस शिविर का लाभ मिल सके। शिविर में 400 लोगों की जांच कर 50 व्यक्तियों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए मक्सी भेजा कार्यक्रम का संचालन लायन नेहा शर्मा ने किया आभार लायन विष्णु बैरागी ने माना शिविर में लायन राजेश पाठक लायन शैलेंद्र रावल लायन सीमा रावल आदि ने अपनी सेवाएं दी।

होटल में यात्रियों के साथ लूट करने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने मुतभेड के बाद पकड़ा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। होटल कलश में यात्रियों के साथ लूटपाट को इंदौर के तीन बदमाशों ने अंजाम दिया था। 48 घंटे बाद मंगलवार को पुलिस ने तीनों को बड़नगर मार्ग पर घेराबंदी कर पकड़ा है। बदमाश पुलिस को देख भाग रहे थे लेकिन घायल होने पर उन्हें दबोच लिया गया।

इंदौर गेट होटल कलश में रविवार तड़के 4 बजे तीन नकाबपोश बदमाशों ने धावा बोला था और होटल कर्मचारी को पिस्टल चाकू की नोक पर बंधक बनाने के बाद होटल की पहली मंजिल पर कमरा नंबर 101 में ठहरे दिल्ली से आए सुनील कुमार के परिवार और कमरा नंबर 205 में रुके विदिशा के चंद्रेश लोधी के परिवार को डरा धमका कर आभूषण और नगदी लूट गए थे। बदमाशों ने होटल कर्मचारी कुंदन सिंह के गले से भी चांदी की चेन और हाथ का ब्रेसलेट छीन लिया था। वारदात के बाद पुलिस को बदमाशों के फुटेज मिले थे जिसके आधार पर तलाश शुरू की गई थी। मंगलवार दोपहर पुलिस को सूचना मिली की लूटपाट में शामिल बदमाश बड़नगर रोड धरम बड़ला के समीप दिखाई दिए हैं जिनके पास लाल रंग की कार है। महाकाल पुलिस तत्काल बड़नगर मार्ग पहुंच गई, पुलिस को देख बदमाशों ने फरार होने का प्रयास किया लेकिन चारों तरफ से घेराबंदी की गई थी। बदमाशों ने कच्चे उबड़ खाबड़ रास्तों पर भागने की कोशिश की और गिरकर घायल हो गए। पीछे लगी पुलिस टीम ने तीनों को पकड़ लिया। गिरने से घायल बदमाशों को जिला अस्पताल लाया गया जहां अभिरक्षा में उपचार कराया जा रहा है। बदमाश एहसान उर्फ भयू पिता अनवर निवासी तंजीम नगर इंदौर, आरिफ पिता अब्दुल हमीद हिना कॉलोनी और तौफीक पिता शब्बीर खान गांधीग्राम इंदौर थाना खजराना क्षेत्र के रहने वाले हैं। जिनके पास से वारदात में उपयोग की गई नकली पिस्टल के साथ चाकू बरामद किया गया है।

सोने चांदी के आभूषण और नकदी बरामद-:48 घंटे में बदमाशों को गिरफ्तार करने के बाद एसपी सत्येंद्र कुमार शुक्ल ने मामले का पर्दाफाश करते हुए बताया कि बदमाशों से लूटे गए 18 हजार रुपए नगद, सोने चांदी के आभूषण और वारदात में उपयोग की गई कार क्रमांक एमपी 09 सी यू 4899 जप्त की गई है। बदमाशों से लूट की शेष राशि और आभूषण बरामद करने के लिए न्यायालय से रिमांड मांगा जाएगा फिलहाल तीनों बदमाश जिला अस्पताल में भर्ती है जहां से छुट्टी मिलते ही पूछताछ की जाएगी। बदमाशों के संबंध में इंदौर पुलिस से जानकारी मांगी गई है। अब तक सामने आया है कि बदमाशों में शामिल एक हिस्ट्रीशीटर है जिसके खिलाफ 18 से 20 मामले इंदौर में दर्ज है। एक बदमाश पूर्व में उज्जैन का निवासी था जो कुछ साल पहले इंदौर चला गया था।

वारदात के बाद सामने आए थे फुटेज-:होटल कलश में हुई लूटपाट के बाद बदमाशों के आने और जाने के फुटेज सामने आए थे जिसके आधार पर पुलिस ने तलाश शुरू की थी। बदमाशों का सुराग तलाशने के लिए महाकाल थाना पुलिस के साथ ही क्राइम ब्रांच और साइबर की टीम भी लगी हुई थी। इस दौरान पता चला था कि बदमाशों ने अपनी कार माधव नगर रेलवे स्टेशन नीलगंगा थाना क्षेत्र में खड़ी की थी वारदात के बाद होटल के सामने से ई रिक्शा में सवार होकर रेलवे स्टेशन देवास गेट तक पहुंचे थे जहां से प्लेटफार्म नंबर 1 से होते हुए आठ नंबर तक पहुंच गए थे जिसके बाद कार में सवार होकर भाग निकले थे।

इनकी रही भूमिका-:एसपी ने बताया कि 48 घंटे में बदमाशों को महाकाल थाना एसआई जयंत डामोर, प्रवेश जटवा, सीएल माले, भूपेंद्र सिंह चौहान, एएसआई संतोष राव, प्रधान आरक्षक मनीष यादव, सुनील पाटीदार, सैनिक विशाल यादव, क्राइम ब्रांच एसआई संजय यादव, साइबर सेल प्रभारी प्रतीक यादव, क्राइम ब्रांच के प्रधान आरक्षक कुलदीप भारद्वाज, रुपेश, प्रेम सबरवाल, आरक्षक कृपाशंकर कपिल राठौर सहित टीम की भूमिका रही है।

किसान सम्मान निधि से आकस्मिक खर्चों का वहन करने में मिली सहायता

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम खजुरिया रेहवारी निवासी किसान नारायण सिंह भाटी ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत उन्हें समय-समय पर किश्त प्राप्त होती रहती है। सरकार द्वारा यह एक बहुत अच्छी योजना प्रारम्भ की गई है, जिससे लघु और मध्यम किसानों को काफी लाभ मिल रहा है। समय-समय पर आने वाले आकस्मिक खर्चों का वहन करने में किसानों को काफी मदद प्राप्त होती है। साथ ही रुपयों की भी बचत हो जाती है। इस योजना के माध्यम से किसान धीरे-धीरे आर्थिक रूप से सुदृढ़ हो रहे हैं। नारायण सिंह इसके लिये प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हैं।

राजस्व एवं परिवहन मंत्री श्री राजपूत ने शोक संवेदना प्रकट की

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।राजस्व एवं परिवहन मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने मंगलवार 21 मार्च को दोपहर में उज्जैन प्रवास के दौरान उच्च शिक्षा मंत्री डॉ.मोहन यादव के गीता कॉलोनी अब्दालपुरा स्थित उनके निवास स्थान पर पहुंचकर उनकी माताजी स्व.श्रीमती लीलाबाई यादव के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। मंत्री श्री राजपूत ने इस दौरान स्व.श्रीमती लीलाबाई यादव के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की। इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्री लालसिंह आर्य ने भी स्व-श्रीमती लीलाबाई यादव के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर शोकाकुल परिवार के प्रति शोक संवेदना प्रकट की। इसके पूर्व राजस्व एवं परिवहन मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने भगवान श्री महाकाल के देवदर्शन कर पूजा-अर्चना की।

नई शिक्षा नीति में विभिन्न भाषाओं की पाठ्य -सामग्री का भी समावेश करेंगे -उच्च शिक्षा मंत्री डॉ यादव

चेटीचंड पर्व पर सांस्कृतिक संध्या और राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ मोहन यादव ने चेटीचंड के अवसर पर सिंधु जागृत समाज उज्जैन के सहयोग से रविवार की शाम उज्जैन में मध्यप्रदेश सिंधी साहित्य अकादमी, संस्कृति विभाग द्वारा सांस्कृतिक संध्या और राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। उन्होंने इस अवसर पर लेखन, गायन और नाट्य अभिनय क्षेत्र में सिंधी साहित्य अकादमी द्वारा वर्ष 2019, 2020 और 2021 के लिए चयनित प्रतिभाओं को पुरस्कृत किया।

मंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में योगदान देने वाली और आध्यात्मिक क्षेत्र की सिंधी समाज की विभूतियों पर पाठ्य सामग्री तैयार करने के संबंध में प्राप्त सुझावों का क्रियान्वयन किया जाएगा। नई शिक्षा नीति के तहत मातृ भाषाओं को महत्व दिया जा रहा है। इस नीति के अंतर्गत सिंधी भाषा से संबंधित पाठ्य सामग्री को भी स्थान दिया जाएगा। डॉ यादव ने कहा कि संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भारतीय भाषाओं में सिंधी भी शामिल है। इस नाते राज्य सरकार इस संबंध में प्राप्त सुझावों पर आवश्यक निर्णय लेगी।

प्रारंभ में उच्च शिक्षा मंत्री डॉ यादव ने भगवान झूलेलाल की प्रतिमा पर दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में उज्जैन सिंधी समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी और जन समुदाय काफी संख्या में एकत्र था। मध्य प्रदेश सिंधी साहित्य अकादमी के निदेशक श्री राजेश कुमार वाधवानी ने अतिथियों का स्वागत किया।

इन लेखकों और कलाकारों को मिला पुरस्कार

संत शिरोमणि हिरदाराम सहित्य गौरव सम्मान से वर्ष 2019 के लिए श्री अमर गोपलाणी, इंदौर, वर्ष 2020 के लिए श्री के.टी. दादलाणी, भोपाल और वर्ष 2021 के लिए श्री भगवान बाबाणी, भोपाल को पुरस्कृत किया गया। इस पुरस्कार में चयनित लेखक /लेखिका को एक लाख रुपए की सम्मान निधि, शाल-श्रीफल और स्मृति चिन्ह प्रदान किया जाता है। मुख्य अतिथि डॉ यादव ने संत शिरोमणि हिरदाराम साहित्य गौरव सम्मान से सम्मानित विभूतियों और अन्य सभी श्रेणी के पुरस्कृत रचनाकारों और कलाकारों को बधाई दी।

संस्कृति विभाग की सिंधी साहित्य अकादमी से श्रेष्ठ गद्य और पद्य कृतियों के लिए पुरस्कार दिए गए । गद्य श्रेणी में कृष्ण खटवाणी श्रेष्ठ कृति पुरस्कार वर्ष 2019 के लिए श्री गोप गोलाणी, इंदौर को उनकी कृति ÷जोगण जी प्रीत÷ के लिए, वर्ष 2020 के लिए श्री आसुदो लच्छवाणी को उनकी कृति ÷सुहिणो सुपिनो÷ के लिए , वर्ष 2021 के लिए डॉ नादिया मसंद, इंदौर को उनकी कृति, ÷मां, मिंटो एं नफसियत÷ के लिए पुरस्कृत किया गया। इसी तरह खियलदास बेगवाणी श्रेष्ठ कृति पुरस्कार (पद्य) के अंतर्गत वर्ष वर्ष 2019 के लिए श्रीमती रश्मि रामाणी, इंदौर को उनकी कृति, ÷मां हिक सिन्धिण ÷के लिए, वर्ष 2020 के लिए श्री कन्हैयालाल मोटवाणी ÷मांदो÷, भोपाल को उनकी कृति, ÷आस जा कख÷ के लिए और वर्ष 2021 के लिए श्री नंदकुमार सन्मुखाणी, भोपाल को उनकी कृति, ÷नवां पन÷ के लिए पुरस्कृत किया गया।

अकादमी द्वारा वर्ष 2019 के लिए भगवंती नावाणी श्रेष्ठ गायिका पुरस्कार श्रीमती सरला नागदेव भोपाल, वर्ष 2020 के लिए श्रीमती निशा चेलाणी, इंदौर और वर्ष 2021 के लिए प्रिया ज्ञानचंदाणी, भोपाल को दिया गया। मास्टर चंद्र श्रेष्ठ गायक पुरस्कार से वर्ष 2019 के लिए श्री गोवर्धन उदासी, कटनी का चयन हुआ, जो पुरस्कार समारोह में शामिल नहीं हो सके। वर्ष 2020 के लिए श्री रमेश तनवाणी, भोपाल और वर्ष 2021 के लिए श्री दिलीप लालवाणी, भोपाल को सम्मानित किया गया। श्रेष्ठ युवा लेखक के रूप में वर्ष 2019 के लिए पुरस्कृत श्री गुलाब लधाणी, डबरा, वर्ष 2020 के लिए श्री राकेश शेवाणी, भोपाल और वर्ष 2021 के लिए श्रीमती किरण परियाणी, इंदौर को सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में श्रेष्ठ नाट्य निर्देशक/ कलाकार भी सम्मानित किए गए। इनमें वर्ष 2019 के लिए श्री परस राम नाथाणी, भोपाल, वर्ष 2020 के लिए श्री ओ पी आसूदाणी,भोपाल और वर्ष 2021 के लिए श्रीमती कविता इसराणी भोपाल का चयन किया गया। इनमें से श्री ओ पी आसूदाणी के दिवंगत हो जाने के फलस्वरूप उनके प्रतिनिधि ने पुरस्कार प्राप्त किया। श्री नाथाणी और श्रीमती इसराणी को मंत्री डॉ यादव ने पुरस्कार प्रदान किए। पुरस्कार कार्यक्रम का संचालन उप संचालक जनसंपर्क अशोक कुमार मनवानी ने किया।

चेटीचंड पर्व पर सांस्कृतिक संध्या भी हुई जिसमें सुश्री निशी धानेचा, नरसिंहपुर, मोहित शेवाणी, मुम्बई, अरूधन बत्रा, नागपुर,प्रिया ज्ञानचंदाणी, भोपाल, श्री रमेश तनवाणी,भोपाल सरला नागदेव भोपाल ने अनेक आराधना गीत और भजन सुनाए। नृत्य प्रस्तुतियां भी हुईं। कार्यक्रम में सिंधु जागृत समाज उज्जैन के अध्यक्ष श्री दौलत खेम चंदानी, सचिव श्री गोपाल बलवानी, संयोजक श्री महेश परियानी, सह संयोजक श्री संतोष लालवानी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

जेल गबन कांड में 3 बाहरी लोगों पर प्रकरण दर्ज

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। केन्द्रीय जेल भैरवगढ़ में जेलकर्मियों की जीपीएफ राशि गबन कांड में फरार तीन आरोपियों की गिरफ्तारी पर एसपी सत्येन्द्र कुमार शुक्ल ने 10-10 हजार का इनाम घोषित किया है। जिला कोषालय ने जेल लेखा विभाग के बाबू के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस ने जांच के बाद दो जेल प्रहरियों के नाम धोखाधड़ी में बढ़ाए थे।

एसपी शुक्ल ने बताया कि केन्द्रीय जेल में 15 करोड़ के जीपीएफ गबन में भैरवगढ़ थाना पुलिस ने जिला कोषालय अधिकारी सुरेन्द्र भामर ने जेल लेखा विभाग के बाबू रिपूदमन के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने अपनी जांच में दो जेल प्रहरी शैलेन्द्र सिकरवार और धर्मेन्द्र लोधी के नाम बढ़ाए थे। तीनों गबन का खुलासा होने के बाद से फरार है। जिनकी गिरफ्तारी पर 10-10 हजार का इनाम घोषित किया गया है। एसपी का कहना था कि मामले की जांच लम्बी प्रक्रिया है, जिसके भी नाम सामने आएगें, अपराध में जोड़े जाएगें। पूर्व जेल अधीक्षक उषाराज की आईडी और पासवर्ड का उपयोग गबन में किया गया है, इसकी जांच भी जारी है, फिलहाल पूर्व जेल अधीक्षक की तबीयत ठीक नहीं होने पर उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती है। उनके स्वस्थ्य होने पर बयान दर्ज किये जाएगें।

भैरवगढ़ जेल में हुए जीपीएफ एवं डीपीएफ के 15 करोड़ से अधिक के गबन कांड में पुलिस ने मंगलवार को तीन बाहरी व्यक्तियों को भी प्रकरण में आरोपी बनाया है। इनके खातों में प्रमुख आरोपी रिपूदमनसिंह के खाते से लाखों रूपए का लेनदेन हुआ है।तीनों आरोपी उज्जैन के हैं।एसआईटी प्रमुख एएसपी डा.इंद्रजीत बाकलवार के अनुसार आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ की जाएगी।

एएसपी बाकलवार के अनुसार आरोपी रिपूदमनसिंह ने देवास निवासी रोहित पिता अनिल के खाते में 92 लाख, उज्जैन के जीवाजीगंज निवासी रिंकु पिता गजराज के खाते में 25 लाख एवं हरिश पिता राधेश्याम के खाते में 7 लाख का भुगतान किया है। इनके खातों में भुगतान की स्थिति को देखते हुए इन्हें आरोपी बनाया गया है। प्रारंभिक जांच में तीनों ही भुगतान को लेकर स्पष्ट जानकारी नहीं दे पाए हैं कि उन्हे किस बात का पैमेंट रिपूदमन ने किया । रिपूदमन के खाते की जांच के दौरान यह बात भी सामने आई की उसने एक ही दिन में 3 से 5 लाख रूपए का यूपीआई पेमेंट किया जिसे किसी ने वाच नहीं किया। खाते की जांच में अभी और भी बाहरी लोगों के नाम सामने आए हैं जिनसे प्रारंभिक जांच का जवाब लिया जा रहा है।

गांजा बेचने वाले और खरीदने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कम्बल बेचने के लिये उड़ीसा जाने और वहां से गांजा लाकर उन्हेल में सप्लाय करने वाले को पुलिस ने गांजा खरीदने वाले के साथ गिरफ्तार किया है। दोनों को न्यायालय में पेश कर 24 मार्च तक रिमांड पर लिया गया है।

क्राइम ब्रांच को उन्हेल में कुछ दिनों से गांजा सप्लाय होने की सूचना मिल रही थी। सोमवार शाम को क्राइम टीम ने उन्हेल थाना पुलिस की टीम के साथ नागझिरी फंटा पर घेराबंदी की। सूचना मिली थी कि गांजा सप्लाय करने वाला एक युवक को देने आ रहा है। देर शाम सूचना सही साबित हुई। एक युवक बाइक से आया और दूसरे को गांजा देने लगा। पुलिस ने दोनों को पकड़ा और थाने लेकर पहुंची। जहां गांजा लेने आए युवक का नाम राजेश पिता कन्हैयालाल प्रजापत 24 वर्ष निवासी ग्राम रामाबालोदा और सप्लायर का नाम जितेन्द्र पिता जगदीश बंजारा 27 वर्ष निवासी नागझिरी फंटा उन्हेल सामने आए। बरामद गांजा 9 किलो होना सामने पर दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण दर्जकर सोमवार को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से 24 मार्च तक पूछताछ के लिये रिमांड पर लिया गया है। बताया जा रहा है कि जितेन्द्र कम्बल बेचने का काम करता है और उड़ीसा तक जाता है, जहां से गांजा लेकर उन्हेल आता था। पुलिस उससे पता लगा रही है कि अब तक कितनी बार गांजा लेकर आ चुका है और कौन-कौन को सप्लाय करता है। उन्हेल थाना प्रभारी अशोक शर्मा ने बताया कि मादक पदार्थ के साथ दोनों युवको को पकडऩे में एसआई पवन वास्कले, सुखसेन अरियाम, प्रधान आरक्षक रामेश्वर पटेल, जितेन्द्र झा के साथ क्राइम ब्रांच के एसआई संजय यादव, सायबर प्रभारी एसआई प्रतीक यादव और उनकी टीम की भूमिका रही है।

मंडियों को आधुनिक बनाने का कार्य शीघ्रता से करें -कृ?षि मंत्री श्री पटेल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। किसान-कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री सह अध्यक्ष मंडी बोर्ड श्री कमल पटेल ने मंडियों को आधुनिक बनाने के कार्य को शीघ्रता से करने के निर्देश दिये हैं। मंत्री श्री पटेल गत दिवस भोपाल के मंडी बोर्ड कार्यालय में मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड के संचालक मंडल की 140 वीं बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मंडियों को सर्व-सुविधायुक्त बनाने को कहा। मंडी बोर्ड उपाध्यक्ष सुश्री मंजू राजेन्द्र दादू, अपर मुख्य सचिव श्री अशोक वर्णवाल, संचालक कृषि श्री एम. सेलवेन्द्रम, आयुक्त पंजीयक सहकारी संस्थाएँ श्री आलोक कुमार सिंह, एम.डी. मंडी बोर्ड श्रीमती जी.वी. रश्मि सहित संचालक मंडल के सदस्य उपस्थित रहे। कृषि मंत्री श्री पटेल ने कहा कि मंडियों में आने वाले किसानों के लिये व्यवस्थागत समुचित प्रबंध सुनिश्चित किये जाएँ, जिससे उन्हें कोई असुविधा न हो। मंडियों को अत्याधुनिक बनाने के साथ ही सर्व-सुविधायुक्त बनाएँ।

गौरव दिवस पर सम्मानित होंगी हस्तियां

उज्जैन /दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्ष प्रतिपदा 22 मार्च को शिप्रा तट पर आयोजित विक्रमोत्सव एवम् उज्जैन गौरव दिवस के मुख्य समारोह में उज्जैन जिला पर्यटन परिषद द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय अवदान के लिए शहर की चुनिंदा हस्तियों को उज्जयिनी गौरव अलंकरण से विभूषित किया जाएगा। यह सम्मान मान. उच्च शिक्षा मंत्री डॉ मोहन यादव, संस्कृति मंत्री उषा ठाकुर जी, प्रभारी मंत्री श्री जगदीश देवड़ा जी सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक श्री पारस जैन ,महापौर श्री मुकेश टटवाल, सभापति श्रीमती कलावती यादव के आतिथ्य में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के कर कमलों से प्रदान किया जाएगा।

पर्यटन परिषद ने एक विज्ञप्ति में बताया कि इस वर्ष अलंकरण उत्कृष्ट चिकित्सक डॉ. सी. एम. पुराणिक, उत्कृष्ट समाजसेवीश्री सुरेंद्र सिंह अरोरा, उत्कृष्ट शिक्षाविद डॉ. राम राजेश मिश्र, उत्कृष्ट साहित्यकार डॉ. शिव चौरसिया, उत्कृष्ट अभिभाषक श्री कुलदीप भार्गव, उत्कृष्ट अभियंता श्री श्रीकांत वैश्मपायन, उत्कृष्ट ज्योतिर्विद पं. शिवेश चंद्र द्विवेदी, उत्कृष्ट व्यवसायी श्री मुकेश रांका एवं उत्कृष्ट खगोलविद श्री घनश्याम रतनानी को अलंकृत किया जवेगा।

डॉ. भीमराव अंबेडकर

एक बवंडर, एक तूफान उस वक्त उस समाज से उठा जिस समाज को तब मुख्यधारा के काबिल ही नहीं माना जाता था।अश्पृश्यता व धार्मिक, जातीय भेदभाव का तब ऐसा मंजर था कि लोग इंसानी छाया से भी नफरत करते थे।वैश्विक स्तर पर शिक्षा का वो ध्रुव तारा बाबा साहेब भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी का जन्म 14 अप्रैल 1891 को सूबेदार रामजी के घर चौदहवीं संतान के रूप में हुआ।भेदभाव से भरी प्राथमिक शिक्षा से आगे बढ़ते हुए अपने समाज में मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण होने वाला प्रथम व्यक्ति बना।वे भारतीय बहुज्ञ बुद्धिजीवी, विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ व समाज सुधारक थे।दलित अधिकार और सामाजिक समता के लिए लड़ने वालों में एक सर्वमान्य व अग्रणी नेता थे।उन्होंने दलित बौद्ध आंदोलन को प्रेरित करने के साथ अछूतों से सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध आंदोलन चलाया था।वे श्रमिकों, किसानों, महिलाओं के अधिकारों की आवाज भी थे।वे भारतीय संविधान सभा के प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे।बाबा साहेब स्वतंत्र भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मंत्री बने।उन्हें भारतीय संविधान का जनक एवं संविधान निर्माताओं में से एक माना जाता है।वे वायसराय कार्यपरिषद के श्रममंत्री, बॉम्बे विधानसभा के सदस्य, विधानसभा के विरोधी नेता, विधानपरिषद के सदस्य और राज्यसभा के सदस्य भी रहे।उन्होंने हिन्दू कोड बिल लाकर भारतीय महिलाओं को विशेष अधिकार दिलाने का प्रयास किया, जिसमें सफलता न मिलने पर मंत्रिपद का त्याग भी किया।उनकी पुस्तक 'प्रॉब्लम ऑफ रूपी' के आधार पर भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना की गई है।बाबा साहेब ने छुआछूत से भरे धर्म को छोड़कर बौद्ध धम्म अपनाते हुए बाईस प्रतिज्ञाएं भारतीय समाज को दी।आज सभी वर्ग की महिलाएं और अश्पृश्य लोगों को जो भारतीय नागरिक के रूप में अधिकार मिले हैं उसके मूल में बाबा साहब ही हैं। उनके द्वारा लिखे कुछ प्रमुख पुस्तकें और अखबार निम्न हैं- भारत का राष्ट्रीय अंश, भारत में जातियां और उनका मशीनीकरण, भारत में लघु कृषि और उनके उपचार, मूकनायक,ब्रिटिश भारत में साम्राज्यवादी वित्त का विकेंद्रीकरण, रूपये की समस्या-उद्भव और समाधान, ब्रिटिश भारत में प्रांतीय वित्त का अभ्युदय, बहिष्कृत भारत, जनता, जाति का उच्छेद, संघ बनाम स्वतंत्रता, पाकिस्तान पर विचार, श्री गांधी और अछूतों की विमुक्ति, रानाडे, गांधी और जिन्ना, कांग्रेस और गांधी ने अछूतों के लिए क्या किया, शुद्र कौन और कैसे,महाराष्ट्र भाषाई प्रांत, भगवान बुद्ध और उनका धर्म आदि प्रमुख थे।ज्ञात हो कि बाबा साहेब के निजी पुस्कालय राजगृह में 50000 से अधिक उनकी किताबें थी और यह विश्व का सबसे बड़ा निजी पुस्तकालय था।वे कुल चौसठ विषयों में मास्टर थे।गांधी जी की आमरण अनशन वाली हठधर्मिता के कारण अंग्रेजों द्वारा दी जा रही दोहरे प्रतिनिधित्व का अधिकार को छोड़ने पर मजबूर होकर आरक्षण व्यवस्था पर संतुष्ट होना पड़ा। उनका महापरिनिर्वाण 06 दिसंबर 1956को 65 वर्ष की आयु में हुआ।मनुपोषितों के लाख कोशिशों के बाद भी आज अम्बेडकर और अंबेडकरवाद की प्रासंगिकता उत्तरोत्तर बढ़ती जा रही है।

जय भीम, जय भारत।

-राजेन्द्र लाहिरी छ. ग.

तितली

रंग - बिरंगे पंखों वाली
तितलियों की हे महारानी !
सखी सहेली संग करती हो
इधर-उधर तुम आनी-जानी ?
कभी लहलहाते खेत सरसों की
कभी गेहूँ की सुनहरी बाली
गहन सघन आँगन में होती,तो
कभी निर्झर बूंदों पे मोती वाली ।
उपवन-उपवन, क्यारी-क्यारी
कभी तरु की किसलय डाली
होती हरित तृणों की नोकों पे
तो कभी गिरि की गोद निराली ।
जहाँ पर्वत पर उतरता गगन
लिए अपना श्वेतांबर ललाम
रंजित किरणों की लालिमा
सजती दिनकर की सुबह शाम ।
अनेक रंगों के खिले कुसुम की
सुरभि से मलयानिल महकाता
इंद्रधनुषी सतरंगी सुंदरता सी
प्रिय तिली ! की पर सजाता ।
मधुर मकरंद का रसपान करे
रंग-बिरंगे सुमनों को चुम चुम
झिलमिल तारों सी पंखुड़ियां
खोल करती नृत्य झूम - झूम ।
चंचल चितवन चंदन सा तन
अपलक निहारता कवि मगन
प्रकृति की तुम अद्भुत कृति
प्रिय तिली ! तुम शोभा उपवन ।

डिकेश दिवाकर

चूड़ियाँ

सब श्रृंगार से प्यारी मेरी चूड़ियां
मुझेभाती है प्यारी-प्यारी चूड़ियां।
रंगबिरंगी लाल,हरी, नीली, पीली
चमचमाती मन को मोहती चूड़ियां।
जबश्रृंगार करूं बोलती मेरी चूड़ियां
साजन की याद दिलाती मेरी चूड़ियां।
आज भी याद दिलाती मेरी चूड़ियां
कैसे पिया ने प्यार से पहनाई थी चूड़ियां।
रसोई में हर वक्त खनकती है चूड़ियां
जिधर जाऊँ संग उधर खनकती चूड़ियां।
ग़र हो जाऊँ मैं ज़रा उदास तो बोलती चूड़ियां
पिया से शिकायत करती हैं मेरी प्यारी चूड़ियां।
है तो ये कांच की पर अनमोल मेरी चूड़ियां
हीरा तो नहीं है पर हीरे से क़ीमती चूड़ियां।
पिया को रिझाती मनाती मेरी प्यारी चूड़ियां
तन्हाई में साथ साथ खनकती मेरी चूड़ियां।
सुहाग की निशानी होती है ये प्यारी चूड़ियां
उपहार में ग़र मिल जाय मुस्कान बनी चूड़ियां।
हर कलर में लुभाती खनखनाती मेरी चूड़ियां
मुझको सबसे ज्यादा मोह लेती है मेरी चूड़ियां।
जब भी मैं सजाती हूँ अपनी कलाई में चूड़ियां
खुद पर इठलाती है मेरी प्यारी रंगीन सी चूड़ियां।
सारे गहनों से अनमोल मुझे बहुत भाती है चूड़ियां
मेरे हर दिन को त्यौहार सा बना देती हैं ये चूड़ियां।
पूजा, पार्टी, त्योहार जहां भी जाऊँ मेरे साथ ही रहती
हरदम मेरी कलाई में इठलाती है मेरी रंगीन चूड़ियां।

-श्रीमती दुर्गेश नन्दिनी नामदेव

अभी जाओ फुर्सत नही

कभी किसी मोड पर मिलना दोबारा,
पूछे गे हाल तुम्हारा,
अभी जाओ हमको फुर्सत नहीं,
अभी तो हैं उलझा दामन हमारा,
अभी चुन चुन के कलियों से।
सजाने लगे हैं आगन हमरा,
अभी जाओ हमको.....
बडा इंतजार करते थे हम,
कहाँ खो गये थे उस वक्त तुम,
अभी हमने दुनिया बसाई सही है,
अभी तो है बाकी फर्ज हमारा।
अभी जाओ हमको फुर्सत नहीं.....
अभी से ये आसू बहाते हो क्यों ,
हम बे वफा हैं जताते हो क्यों,
बहालेना आसू न रोके गे हम ,
निकलने तो दो ये दम हमरा,
दम ये हमारा निकल जायेगा ,
तुम तक जब पैगाम आयेगा,
जनाजा गली से गुजर जायेगा,
कर ना सकोगे दिदार हमारा,
अभी जाओ हमको.....
कब्र पर हमारी आना न कभी ,
मिलेंगे तुम्हें हम वहा भी नहीं,
कब्र हि हमारी मंजिल नहीं ,
जनम लेगे हम तो फिर से दोबारा,
अभी जाओ हमको........
जनम लेगे हम तो फिर से दोबारा,
महका देगे आँगन तुम्हारा,
खिलेंगे चमन मे बनकर कली,
उतार देगे कर्ज तुम्हारा,
अभी जाओ हमको फुर्सत नहीं....।।।

-सौ. रश्मि सुरेंद्र श्रीमाली, सिहाड़ा

पैसा और खुशी

पैसा एक ऐसी चीज है जिसे पाने के लिए हम अपना जीवन खपा देते हैं; लेकिन वह कितना भी कमा ले, ज्यादातर लोग संतुष्ट नहीं होते। ऐसें लोगों को पैसा कम पड़ जाता है। ऐसे लोग पैसे के लिए जीने लगते हैं। दरअसल, पैसे से सब कुछ नहीं खरीदा जा सकता है। हालाँकि, यह बहुत कुछ हासिल करता है। मान लीजिए हम एक निर्जन द्वीप पर हैं। हमें वहां बहुत पैसा दिया गया है; लेकिन वहां खाने के पदार्थ नहीं है, और न पीने का पानी है, न मानव आवास और न ही कोई अन्य भौतिक सुविधाएं। ऐसी जगह हम अपने पैसे का क्या कर सकते हैं? कुछ भी नहीं। वहां पैसे का कोई मूल्य नहीं है। पैसे की इस सीमा को पहचानना बहुत जरूरी है।

पैसा वस्तू या चीज के विनिमय का माध्यम है। यह किसी भी वस्तु का मूल्य निर्धारित करने का पैमाना है। क्या यह कहा जा सकता है कि धन का अर्थ सुख और सफलता है? हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति के बाद मन की जो स्थिति उत्पन्न होती है वह सिद्धि का भाव या प्रसन्नता का भाव है। हालाँकि, क्या यह कहा जा सकता है कि मैं इसलिए सफल हुआ क्योंकि मुझे अधिक पैसा मिला? क्या सफलता को पैसे से मापा जा सकता है? यदि लक्ष्यों की प्राप्ति सफलता का पैमाना है, तो पैसा केवल एक साधन है; लेकिन पैसा कभी लक्ष्य नहीं होता। कभी-कभी हम धन को उपलब्धि समझ लेते हैं और फिर सुख-सफलता को छोड़कर इस मायावी धन के पीछे भागते हैं और दुखी हो जाते हैं।

कुछ लोगों का मानना ? है कि जेब में पैसा मतलब जीवन भर का सहारा। उन्हें लगता है कि वे सुरक्षित हैं क्योंकि उन्हें अब इंसानों के सहारे की जरूरत नहीं है। पैसा उनके पास है। ये लोग न सिर्फ अपने वर्तमान, बुढ़ापा बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी पैसा बचाना शुरू कर देते हैं। इस प्रकार धन और सुरक्षा को जोड़कर वे लगातार धन के पीछे भागते रहते हैं। इस वजह से पैसा उनके जीवन को नियंत्रित करने लगता है और ये लोग पैसे से सब कुछ खरीदने की कोशिश करते हैं; वे दूसरों की भावनाओं पर विचार किए बिना उनके जीवन को भी नियंत्रित करने लगते हैं। हालाँकि, पैसा उन्हें खुशी नहीं देता है। इसलिए हम बहुत से अमीर लोगों को दुखी देखते हैं। दूसरों के लिए कुछ करने से संतुष्टि, संतोष, समाधान प्राप्त होता है। यदि आपके पास पैसा है और मुसीबत के समय दूसरों की मदद करते हैं तो इससे आपको निश्चित रूप से संतुष्टि मिलती है। जो लोग दूसरों की मदद करना चाहते हैं वे लालची नहीं होते। इस प्रकार वे दूसरों के लिए जो प्रेम, सद्भाव, स्नेह की अनुभूति करते हैं, वही मानव जीवन की परिणति है। इसलिए पैसा इसे पैदा नहीं करता।

हालांकि, यह भी ध्यान रखना चाहिए कि धन का त्याग करने से काम नहीं चलता। यह दूसरा छोर है। पैसा आना चाहिए। और इसका सही इस्तेमाल करना चाहिए। धन का सदुपयोग हो सके तो धन अपार सुख भी दे सकता है। बड़ी तृप्ति दे सकता है। न अति त्याग न अति लोभ। पैसा बहुत कुछ कर सकता है अगर आप इस बात को ध्यान में रखते हुए संयमित रुख अपनाते हैं। हमें समझना चाहिए कि पैसा एक साधन है। संतोष, प्रेम, सफलता ही लक्ष्य हैं। हमें धन के माध्यम से अपने लक्ष्यों तक पहुंचना चाहिए। हमें पैसे का गुलाम नहीं होना चाहिए; पैसा आपका गुलाम होना चाहिए। यदि आपको धन सही तरीके से मिले और उसका सही उपयोग हो तो आप अधिक खुश रहेंगे।

-मच्छिंद्र ऐनापुरे, सांगली (महाराष्ट्र)

शराबी बेटा (संस्मरण)

आज से लगभग पच्चीस वर्ष पूर्व की बात है। स्थान मध्य प्रदेश के सीहोर में स्थित पुरानी सब्जी मंडी समय सुबह के लगभग 9: 00 बजे होंगे मंडी में किसान एवं व्यापारियों की भीड़ का जमावड़ा एवं फल सब्जियों की बोली लगाते हुए आढ़तियों की आवाजें, कुल मिलाकर माहौल पूर्णरूपेण कोलाहल से भरा हुआ था। मंडी में एक कोने पर एक गल्ले की दुकान भी थी। जहां लगभग चार पांच महिलाएं गेहूं हाथ से बीनकर सफाई का कार्य कर रही थी उन महिलाओं में एक अधेड़ उम्र की महिला भी थी।

एक पुरानी फिएट कार अनाज की दुकान के पास अचानक रूकती है चार मुष्टंडे गाड़ी से उतर कर अधेड़ महिला को हाथों से पकड़ कर घसीटना शुरू कर देते हैं। सभी भोंचक्के रह गए मंडी का सारा कोलाहल सन्नाटे में तब्दील हो गया। सुनाई दे रही थी तो सिर्फ अधेड़ महिला की आवाजें मुझे छोड़ दो, मेरे खून पसीने की कमाई है मेरे बुढ़ापे का सहारा है,यह बर्बाद कर देगा। किंतु इतनी भीड़ में किसी का दिल नहीं पसीजा, कोई महिला को छुड़ाने नहीं आया। सब हैरान थे आखिर माजरा क्या है? किसी की समझ में कुछ नहीं आ रहा था। चारों आवारा मुष्टंडे महिला को गाड़ी में जबरदस्ती घसीट कर ले गए। धीरे-धीरे मंडी की गतिविधियां फिर से सामान्य हो गई।

हमने एक स्थानीय व्यक्ति से जानने की कोशिश की कि आखिर माजरा क्या है? तो उस व्यक्ति ने बताया की उक्त महिला ने रात दिन मेहनत करके अपने खून पसीने की कमाई से एक-एक पैसा बचाकर लगभग दो ढाई लाख रुपए बैंक में जमा किए थे। यह चारों आवारा एवं शराबी है जिनमें से एक स्वयं महिला का बेटा और तीन उसके आवारा दोस्त यह सारा पैसा निकाल कर शराब में उड़ा देना चाहते हैं।

घटना का अंजाम बाद में चाहे जो हुआ हो किंतु इस घटना ने मुझे मेरे अंतर्मन तक झकझोर कर रख दिया था। बार-बार मस्तिष्क में सिर्फ यही सवाल कौंध रहे थे क्या इसी लिए मां-बाप संतान पैदा करते हैं। क्या इसी दिन के लिए पेट काटकर अपनी औलाद की परवरिश करते हैं। समाज ऐसे लोगों का क्यों कुछ नहीं कर पाता? सरकारें, कानून ऐसी घटनाओं पर आखिर क्यों मोन है? यही सवाल आज भी यक्ष के प्रश्न बनकर आज के एजुकेटेड समाज के समक्ष मुंह बाए खड़े हैं।

-परमानन्द राठौर गुराड़िया वर्मा

(22 मार्च जल दिवस विशेष-लेख)

अगर बचानी ज़िंदगी, करें आज संकल्प।
जल का जग में है नहीं, कोई और विकल्प।।

हम यह भूल जाते हैं कि पानी के बिना वे सब बेकार हैं। हम अपनी जरूरत से ज्यादा पानी का इस्तेमाल करते रहते हैं। कम से कम हममें से हर व्यक्ति अपने घरों और कार्यस्थलों में पानी का उचित इस्तेमाल तो कर ही सकता है। कई बार ऐसा देखा जाता है कि सड़क किनारे लगे हुए नलों से पानी बह रहा है और बेकार जा रहा है, लेकिन हम वहां से गुजर जाते हैं और नल को बंद करने की चिंता नहीं करते। हमें इन विषयों पर सोचना चाहिए और अपने रोज के जीवन में जहां तक संभव हो पानी बचाने की कोशिश करनी चाहिए। इस समय पृथ्वी ग्रह पर जीवन को बचाये रखने के लिए सबसे बड़ी जरूरत पानी को बचाने की है; यह सुनिश्चित करने के लिए जल संसाधनों का प्रबंधन कैसे किया जाएगा कि देश में सभी को समान मात्रा में पानी मिले।

- डॉ सत्यवान सौरभ

जैसे-जैसे जनसंख्या और अर्थव्यवस्था बढ़ती है, वैसे-वैसे पानी की मांग भी बढ़ती है। सीमित पानी और प्रतिस्पर्धी जरूरतों के साथ, पेयजल प्रबंधन चुनौतीपूर्ण हो गया है। अन्य कठिनाइयाँ, जैसे भूजल की कमी और अनियमित वर्षा। इन कठिनाइयों ने ग्रामीण आबादी को तनाव में डाल दिया है, जो पारंपरिक ज्ञान और जल ज्ञान के साथ अपनी पानी की जरूरतों को पूरा करती है। जब स्वास्थ्य की बात आती है, तो ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को पाइप से पानी की आवश्यकता होती है। पानी और ऊर्जा के संबंध को बनाये रखने के लिए जल संरक्षण को बढ़ाने और प्राकृतिक जल स्त्रोतों को बचाने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए क्योंकि यह भावी ऊर्जा उत्पादन के लिए भी बहुत जरूरी हैं।

हममें से ज्यादातर लोग यह सोचते हैं कि पानी बचाने के लिए एक अकेला आदमी क्या कर सकता है। इस तरह के विचार से हम लोग रोज पानी नष्ट कर देते हैं। आज की दुनिया में सभी लोग इस दौड़ में लगे हैं कि हम अपने घरों में बड़े-बड़े गुसलखाने बनाये, लेकिन हम यह भूल जाते हैं कि पानी के बिना वे सब बेकार हैं। हम अपनी जरूरत से ज्यादा पानी का इस्तेमाल करते रहते हैं। कम से कम हममें से हर व्यक्ति अपने घरों और कार्यस्थलों में पानी का उचित इस्तेमाल तो कर ही सकता है। कई बार ऐसा देखा जाता है कि सड़क किनारे लगे हुए नलों से पानी बह रहा है और बेकार जा रहा है, लेकिन हम वहां से गुजर जाते हैं और नल को बंद करने की चिंता नहीं करते। हमें इन विषयों पर सोचना चाहिए और अपने रोज के जीवन में जहां तक संभव हो पानी बचाने की कोशिश करनी चाहिए।

भारत की बात की जाए तो यहां प्रचुर मात्रा में बारिश होती है लेकिन आबादी बढ़ने के कारण देश में पानी की कमी महसूस की जा रही है। आबादी बढ़ने के कारण प्राकृतिक संसाधनों का अधिक इस्तेमाल होता है। जल स्त्रोत, स्थानीय तालाब, ताल-तलैया, नदियां और जलाशय प्रदूषित हो रहे हैं और उनका पानी कम हो रहा है। इस समय देश की बढ़ती आबादी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं है। इसके अलावा भारत में खेती भी बारिश के भरोसे ही होती है। भारत में खेती की सफलता पानी की उपलब्धता पर ही निर्भर है, जिसमें बारिश के पानी की अहम भूमिका होती है। अच्छी वर्षा का मतलब अच्छी फसल होता है। वर्षा जल को बचाने की बहुत जरूरत है और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि इसमें कोई तेजाबी तत्व न मिलने पाये क्योंकि इससे पानी और उसके स्त्रोत प्रदूषित हो जाएंगे।

तभी तो जल जीवन मिशन राष्ट्रीय जल जीवन कोष की नींव है। 15 अगस्त 2019 को भारत के माननीय प्रधान मंत्री ने एक सरकारी कार्यक्रम के बारे में एक बड़ी घोषणा की। जल जीवन मिशन का मुख्य उद्देश्य 2024 तक कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से प्रत्येक ग्रामीण परिवार को प्रति व्यक्ति प्रति दिन 55 लीटर पानी की आपूर्ति करना है। वर्षा जल संचयन और जल संरक्षण भी मिशन के सबसे महत्वपूर्ण पहलू हैं। पुनर्नवीनीकरण पानी और रिचार्जिंग संरचनाओं का उपयोग करना, जलमार्ग का विकास,पेड़ लगाने पर ध्यान दे रहे हैं। पारंपरिक और अन्य जल निकायों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है।

यह मिशन नल कनेक्शनों को काम में लाकर नल के पानी के कनेक्शन की कमी को दूर करेगा। यह स्थानीय प्रबंधन पर आधारित है कि कितना पानी उपयोग किया जाता है और कितना उपलब्ध है। यह मिशन पानी की कटाई, पानी को सीधे धरती में डालने और घरेलू अपशिष्ट जल का प्रबंधन करने जैसी चीजों के लिए स्थानीय बुनियादी ढांचे का निर्माण करेगा ताकि इसे फिर से इस्तेमाल किया जा सके। 2024 तक ग्रामीण घर के प्रत्येक व्यक्ति को एक नल कनेक्शन से प्रतिदिन 55 लीटर पानी मिल सकेगा। मिशन समुदाय को पानी के लिए एक योजना के साथ आने में मदद करता है जिसमें बहुत सारी जानकारी, शिक्षा और संचार शामिल है। इस योजना में 3 लाख करोड़ रुपये की राशि दी गई। इस मिशन में हर कोई पानी के लिए जन आंदोलन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने में मदद करता है। हिमालयी और उत्तर पूर्वी राज्यों के लिए, फंड को केंद्र और राज्य के बीच 90ः10, बाकी राज्यों के लिए 50ः50 और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 100त्न विभाजित किया गया है।

जल जीवन मिशन के तहत, तमिलनाडु और महाराष्ट्र के एससी/एसटी बहुल गांवों में भी हर ग्रामीण परिवार को नल का पानी दिया जाता है, ताकि ÷कोई भी छूट न जाए।÷ साथ ही, उन जगहों पर नल के पानी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है, जहां पानी की गुणवत्ता खराब है, जैसे मरुस्थल और सूखा प्रभावित क्षेत्र, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति बहुसंख्यक गाँव, सांसद आदर्श ग्रामीण योजना गांव, इत्यादि। पानी समितियों की योजना में गाँव की जलापूर्ति प्रणाली भी अच्छी स्थिति में है, जिसमें वे व्यवस्था को व्यवस्थित तरीके से संचालित करते हैं। इनमें से कम से कम आधे संघों में 10 से 15 सदस्य हैं, जिनमें से कम से कम आधी महिलाएं हैं। अन्य सदस्य स्वयं सहायता समूहों, मान्यता प्राप्त सामाजिक और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, आंगनवाड़ी शिक्षकों और अन्य स्थानों से आते हैं। समितियों ने अपने सभी संसाधनों का उपयोग करने वाले गाँव के लिए एकमुश्त कार्य योजना तैयार की हैं।

राष्ट्रीय ग्रामीण जल आपूर्ति और स्वच्छता मिशन को अमल में लाने में कुछ समस्याएं है जिसमें प्रमुख विश्वसनीय पेयजल स्त्रोतों की कमी हैं। जल-तनावग्रस्त, सूखा-प्रवण और उपोष्णकटिबंधीय जैसे क्षेत्रों में, भूजल, असमान इलाके और बिखरी हुई ग्रामीण बस्तियों में स्थान-विशिष्ट संदूषकों की उपस्थिति है तो साथ ही, गांव में जलापूर्ति के बुनियादी ढांचे के प्रबंधन और संचालन के लिए स्थानीय ग्राम समुदायों की अक्षमता आड़े आती है। कुछ राज्यों में, विशेष रूप से कोविड -19 महामारी के बाद, मैचिंग स्टेट शेयर जारी करने में देरी भी इस मिशन की सफलता के रास्ते में बाधा बन रही है। जल जीवन मिशन में अब तक की प्रगति देखे तो जिस समय जल जीवन मिशन की घोषणा की गई थी, उस समय 18.93 करोड़ ग्रामीण परिवारों में से 17.1त्न के पास नल के पानी के कनेक्शन थे। इसका मतलब यह हुआ कि 3.23 करोड़ ग्रामीण घरों में नल के पानी के कनेक्शन थे।

जेजेएम के तहत अब तक 5.38 करोड़ (28त्न) ग्रामीण घरों में नल के पानी के कनेक्शन स्थापित किए जा चुके हैं। इसलिए, देश के 19.22 बिलियन ग्रामीण परिवारों में से 8.62 बिलियन (या 44.84 प्रतिशत) पीने योग्य नल का पानी है। गोवा, तेलंगाना, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और पुडुचेरी जैसे राज्यों के ग्रामीण इलाकों में नल से बहते पानी वाले घरों की संख्या 100त्न तक पहुंच गई है। ÷हर घर जल÷ हर किसी की सर्वोच्च प्राथमिकता बन गया है। मिशन का प्राथमिक उद्देश्य जितना हो सके कम से कम बर्बाद करते हुए पानी की बचत करना है। इस समय पृथ्वी ग्रह पर जीवन को बचाये रखने के लिए सबसे बड़ी जरूरत पानी को बचाने की है; यह सुनिश्चित करने के लिए जल संसाधनों का प्रबंधन करके किया जाएगा कि देश में सभी को समान मात्रा में पानी मिले।

जल से धरती है बची, जल से है आकाश !
जल से ही जीवन जुड़ा, सबका है विश्वास !!

विश्वविख्यात रामलीला मंचन का प्रतीक बनेगा अन्तरराष्ट्रीय राम महोत्सव-23, लोक संस्कृति के समागम में शामिल

जीएनएस। होंगे साधु-संतों समेत प्रसिद्द नेता-अभिनेता

अंतरराष्ट्रीय राम महोत्सव में जुटेंगे नेता-अभिनेता समेत देशी-विदेशी कलाकार, 5 दिन तक आयोजित होंगी लोक गीत-

नृत्य-व्यंजनों से जुड़ी विभिन्न प्रतियोगिताएं

ओरछा में अंतर्राष्ट्रीय राम महोत्सव 23 के भव्य आयोजन की तैयारियां शुरू, आध्यात्म, सिनेमा और रंगमंच की प्रसिद्द

हस्तियां होंगी शामिल

- **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भेजा शुभकामना सन्देश, एकत्रित होंगे टीवी रामायण के प्रमुख पात्र**
- **5 से 9 अप्रैल तक राजा राम की नगरी में जुटेंगे साधू-संत, विद्वानों समेत राजनीति सिनेमा से जुड़े कई सितारे**
- **फिल्में, चित्रकला, लोकनृत्य, यज्ञ, रामलीला आदि मार्मिक प्रदर्शित**
- **बुंदेली कलाकारों संग राम स्तुति करते नज़र आएंगे राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय कलाकार**

भोपाल/दैनिक मालवा हेराल्ड। राजा राम की नगरी ओरछा में आयोजित होने जा रहे 5 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय राम महोत्सव की तैयारियां अपने चरम पर हैं। 5 से 9 अप्रैल तक ओरछा के रुद्राणी कलाग्राम एवं शोध संस्थान में आयोजित होने वाले इस भव्य समारोह में भगवान राम पर आधारित फिल्में, चित्रकला, लोकनृत्य, यज्ञ, रामलीला आदि की प्रदर्शनी व प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम में यूपी-एमपी के दर्जनों नेता मंत्रियों समेत कई राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय कलाकार शिरकत करेंगे। समारोह के अंतर्गत घुमन्तु सिनेमा का गांव गांव भ्रमण होगा। इसमें राम कथा आधारित फिल्म दिखाई जाएगी तथा राज्य एवं केंद्र की लोक कल्याणकारी योजना को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। रात्रि में सांस्कृतिक संध्या पर विश्वविख्यात रामलीला का मंचन होगा। जबकि प्रातः काल श्री राम यज्ञ व ध्यान योग होंगे। इस दौरान श्री राम भजन, छायाचित्र, चित्रकला आदि प्रतियोगिताएं अयोजित की जाएगी। इसके अतिरिक्त लोक व्यंजन, लोक वाद्ययंत्र, लोक गीत, नृत्य आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन भी होगा। कार्यक्रम के संस्थापक निदेशक अभिनेता राजा बुंदेला ने एमपी सीएम शिवराज सिंह चौहान व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भीन्योता भेजा है। महोत्सव में कई केंद्रीय मंत्रियों व विदेशी कलाकारों, स्टेज परफॉर्मर्स को भी आमंत्रित किया गया है।

कार्यक्रम से जुड़े ताजा अपडेट्स ऑनलाइन मीडिया सहयोगी ट्रूपल बुंदेलखंड चैनल पर देखे जा सकते हैं इस बारे में रुद्राणी कलाग्राम संस्थान के निदेशक व कार्यक्रम के आयोजक फिल्म अभिनेता राजा बुंदेला ने कहा, अंतरराष्ट्रीय राम महोत्सव हम सब की चेतना से जुड़े श्रीराम के आदर्श व्यक्तित्व को जन-जन तक पहुंचाने का एक प्रयास मात्र है। हम श्रीराम के दिखाए मार्ग का अनुसरण कर के, एक बेहतर और संस्कृति समृद्ध समाज का निर्माण कर सकते हैं। और इसी अवधारणा के साथ हमने अंतर्राष्ट्रीय राम महोत्सव की शुरुआत की है। विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से हमें प्रतिभाओं को तलाशने का मौका भी मिलता है। हम भारी संख्या में राम भक्तों के सपरिवार इस आयोजन में पहुंचने की उम्मीद कर रहे हैं। आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

राम महोत्सव-23 में अंतर्राष्ट्रीय रामलीला महोत्सव समिति के अध्यक्ष डॉ टंडन के नेतृत्व में 9 अप्रैल को देश के स्कूली बच्चों व गुरुकुल के बच्चों द्वारा संपूर्ण रामायण का मंचन किया जाएगा। साथ ही बच्चों द्वारा तैयार हनुमान चालीसा व गणेश वंदना की मनोहर प्रस्तुति भी देखने को मिलेगी। कार्यक्रम में एमपी-यूपी के मुख्यमंत्रियों समेत डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के अलावा कई अन्य राज्य व केंद्रीय मंत्रियों को आमंत्रित किया गया है। वहीं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम महोत्सव के लिए शुभकामना संदेश भी भेजा है।

इस भव्य कार्यक्रम में राजा राम की नगरी ओरछा में, राम की तपोभूमि चित्रकूट के साधु-संत भी शामिल होंगे। समारोह में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विद्वान, राम कथा मर्मज्ञ के साथ-साथ बुंदेलखंड के सभी जिलों से लोक कलाकारों, सामाजिककार्यकर्ताओं व जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी भी देखने को मिलेगी। आगंतुकों के लिए राजा राम की कृपा से रोजाना भंडारे की व्यवस्था की जाएगी।

महोत्सव के दौरान रामचरित मानस की चौपाइयों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला जायेगा। साथ ही गोस्वामी तुलसीदास की जन्म स्थली राजापुर पर आधारित शार्ट फिल्म का प्रदर्शन भी किया जाएगा। इस आयोजन का एक मुख्य आकर्षण रामानंद सागर की रामायण के प्रमुख पात्र भी होंगे। आपको बता दें कि इस आयोजन का एक प्रमुख उद्देश्य भगवान राम के चरित्र को जन मानस तक पहुंचाने के साथ-साथ बुंदेलखंड की विलुप्त हो रही संस्कृति के संरक्षण की। दिशा में यहां के लोक कलाकारों, लोक विधाओं को मंच प्रदान करना भी है।

नारी शक्ति की प्रतिष्ठा का पर्व नवरात्रि

नवरात्रि पर्व को हिंदुओं का प्रमुख और पावन पर्व के रूप में माना जाता है।और इस पर्व का पूरे भारतीयों को प्रतीक्षा रहती है।पर अलग-अलग प्रांतों में इसे अलग-अलग नाम देकर मनाया जाता है।इसे कहीं नवरात्रि तो कहीं नवरात्र,तो कहीं नवराते,या जगराता के नाम से जाना जाता है।इस पर्व का इसलिए भी अत्यधिक महत्व बढ़ जाता है क्योकि इसी चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को ही हमारे भारत मे हिंदुओं के द्वारा नववर्ष भी मनाया जाता है।तथा दूसरा सबसे अहम और धार्मिक कारण यह भी है कि इस पर्व में स्त्री शक्ति का प्रतिष्ठापन भी किया जाता है।अर्थात नव कन्या के रूप में देवी स्वरूपा नारियों की पूजा की जाती है।यही हमारे देश की सबसे बड़ी महिमा है। नवरात्रि शब्द संस्कृत शब्द से निकला है, जिसका शाब्दिक अर्थ होता है नवरातें ।

इसके अलावा नवरात्रि से आशय नवअहोरात्रों

अर्थात विशेष रात्रियों से है।इस अवसर पर शक्ति के नवरूपों की उपासना की जाती है।यह नवरात्रि सिद्धि का प्रतीक भी माना जाता है।भारत मे हमारे सिद्ध पुरुषों के द्वारा दिन की अपेक्षा रात्रि को विशेष महत्व दिया गया है।इसीलिए दीपावली,होली,और नवरात्रि को रात्रि में मनाने की परम्परा है।यदि ऐसी कोई बात न होती तो नव रात्रि न कहकर नवदिन ही कहा जाता।साधना की दृष्टि से शारदीय और चैत्र मास का विशेष महत्व माना गया है।इन दोनों पर्वों में जनमानस आध्यात्मिक और मानसिक शक्ति का संचयन करते हैं।और इसके लिए नाना प्रकार के व्रत,संयम ,नियम,भजन कितर्न, योगसाधना,आदि करते हैं।कुछ एक साधक इन रात्रियों में सिद्धासन में बैठकर आंतरिक त्राटक अर्थात बीज मंत्रों ÷की साधना करते हैं।नवरात्र का काल जागरण,काल कहलाता है।इस दौरान सृष्टि में सकारात्मक ऊर्जा प्रवाहित होती है।और नकारात्मकता दूर होती है।इस प्रकार से इन नव रातों में मात्र और मात्र देवी के नवस्वरूपों की उपासना,आराधना की जाती है।

वैसे तो नवरातें वर्ष में चार बार आती है।पर आश्विन मास और चैत्र मास का विशेष महत्व होता है।और इस नवरात्रि में महासरस्वती,महालक्ष्मी,महाकाली के नवरुपों की विशेष पूजा की जाती है।और इनके नाम और स्थान इस प्रकार है-योगमाया-नन्दादेवी, विंध्यवासिनी-शक्तिपीठ, रक्तदन्तिका-साथुर, शाकम्भरी-सहारनपुर, दुर्गा-काशी, भीम-पिंजौर, और भ्रामरी-भ्रमराम्बा शक्तिपीठ यही सब देवियाँ नवदुर्गा के स्वरूप कहलाते हैं।इस प्रकार से यह कहा जा सकता है कि यह नवरात्रि ,देवी आराधना के माध्यम से नारियों की प्रतिष्ठा का पर्व है।यही हमारे देश की सबसे बड़ी विशेषता है।जिसको पूरे देश वासी धूमधाम और भक्ति भावना के साथ मनाते है।

-अशोक पटेल आशु

गीतिका

मिलते ही नजर उनसे,प्रीत की गागर छलक गई।
तन सितार चहक उठा, मन की कोयल कूहक गई।।
प्रेम हवेली पास लगे, अब लगे कि दूर नही।
मद में चूर चंचल पवन आ ये बात कह गई।।

मिलन के गीत भवंरे गाऐ, पंखी छेड़े सरगम।
खुशी से झूमती लता,पेड़ों से जा लिपट गई।।
कहते जुगनू चम चम, तके राह प्यासे नयन।
देख मनहर खुशी में रात रानी महक गई।।

-मनोहर सिंह चौहान मधुकर

गज़ल

झूठ उनके हर बयान में होते है
फिर भी देखिए वे उड़ान में होते है
पग-पग पर देते वे धोखा यारों
ऐसे लोग तो हरेक जगह होते है
आदमी को सॉप पाकर देखिए जनाब
सपेरे स्वयं परेशान होते है
भूख, रोटी, बेकारी के टंगे सवाल
ग़रीब के लिए आसमान में होते है
निकले तो कैसे निकले ये यारों अब
फंसे हुए जब वे तूफ़ान में होते है
पढ़कर खून से तर ख़बरें अख़बार में
सोचकर 'रमेश' हैरान में होते है

-रमेश मनोहरा

अच्छा लगा

यें जानकर,
कि तुम मुझे ,
खोजा करतें हों ,
हजारों के भीड़ में भी तुम,
सिर्फ मुझे देखने के लिए तरसते हों,
मेरे बारें में तुम सोचा करते हों,
मुझ सें मिलना चाहते हो,
कभी हुई थी मुलाक़ात हमारी,
बातें भी हुई थी अनजानी,
मिलजुलते रिश्तें बने थे,
बिझरते - रोते रिश्तें टुटे थें,
वों समय में अनजाना था,
हम दोनों कों एक दुसरे सें कही दुर जाना था,
इसलिए रास्ते बने,
हम उन रास्तें पे चलते चले गए,
गिरते रोतें गातें चलते ही चले गए,
और आज फिर हम दोनों मिल ही गए ।।

-मुस्कान केशरी

नव संवत्सर

यह सनातनी सूर्योदय है,
संस्कृति की पहचान कराती है,
वासंतिक नवरात्र के,
कलश स्थापना की बेला में,
सुन्दर अनुभूति की कलात्मक श्रंगार से ,
दुनिया को खूब सजाती है।
दैवी उपासक देश का,
यह एक अपूर्व संस्कार है।
सनातनी संस्कार में शामिल,
सबसे खूबसूरत उपहार है।
दुर्गा काली सरस्वती,
शाकम्बरी महामेघा कल्याणी,
वैष्णवी और पार्वती इनके,
भिन्न-भिन्न खुबसूरत नाम हैं।
जगत संसार में सनातनी सौन्दर्य का,
सब करते दिल से आह्वान हैं।
प्रकृति अनन्त असीम और अव्याख्येय है,
इसकी सच्चाई सटीक सी लगती है।
मां देवी की आराधना से ही,
परिपूर्ण ममत्व प्रीति सदैव खिलती है।
सतत् अविरल फूल फल वनस्पति प्राणी ,
यह सब मां का प्रसाद है।
मां सृजनरत रहतीं हैं जगत संसार में,
नहीं दिखता कहीं किसी में कोई अवसाद है।
मां पूराने को निरस्त करतीं हैं बार-बार।
नया प्रवाह और नूतन सृजन की बरसात कर,
अनुग्रह की वर्षा करतीं रहतीं हैं लगातार।
प्रकृति की जननी मां का हमपर काफी अहसान है।
अनुग्रहित भाव से हमें मां का करना सदैव सम्मान है।
प्रकृति का पोषण और संवर्द्धन,
सही अर्थ में मां की सेवा का एक उन्नत रंग है।
प्रकृति के सभी रूपों में मां को देखने की अनुभूति,
आह्वान से होती है पूरी तरह यहां,
जनजन तक सुन्दर सन्देश पहुंचाता,
लगता यहां घर में हो रही सत्संग है।

-डॉ अशोक, पटना,बिहार।

चैत्र नवरात्रि की शुभकामनायें

जीएनएस। चैत्र के महीने में मनाया जाने वाला चैत्र नवरात्रि एक नौ-दिवसीय उत्सव है, जिसे वसंत नवरात्रि के रूप में भी मनाया जाता है और माँ दुर्गा के नौ अवतारों की पूजा की जाती है। इस दौरान लोग उपवास रखते हैं और माता की अराधना करते हैं। आत्मचिंतन, पूजा और उपवास के इस त्योहार के शुरू होने से पहले एण्डटीवी के कलाकारों ने बताया कि इस उत्सव को कितने उत्साह और जोश के साथ मनाया जाता है। इन कलाकारों में शामिल हैं - 'दूसरी माँ' से प्रीति सहाय (कामिनी), 'हप्पू की उलटन पलटन' से हिमानी शिवपुरी (कटोरी अम्मा) और 'भाबीजी घर पर हैं' से रोहिताश्व गौड़ (मनमोहन तिवारी)। कामिनी का किरदार निभा रहीं प्रीति सहाय ने कहा, ''मैं दुर्गा माता को बहुत ज्यादा मानती हूं। हर दिन मैं उनके सामने हाथ जोड़कर अपने लोगों की भलाई के लिये प्रार्थना करती हूं। चैत्र नवरात्रि के दौरान मैं नौ दिनों तक उपवास रखती हूं। यह सर्वोच्च दैवीय अनुभूति है। मैंने अपनी दादी मां से इस त्योहार के बारे में जाना था और तभी से ही मैं इससे जुड़े रीति-रिवाजों का पूरी श्रद्धा से पालन कर रही हूं। मैंने बहुत छोटी उम्र से ही व्रत रखना और पूजा करना शुरू कर दिया था, जो मेरे लिये अब हर साल मनाया जाने वाला एक त्योहार बन गया है। इन पावन दिनों में, मैं कुट्टु का आटा, सिंघाड़ा आटा, ताजे फल, दूध और ड्राई फ्रूट्स खाती हूं। हालांकि, साबूदाना खीर मुझे सबसे ज्यादा पसंद है और मैं दिन में एक बार उसे जरूर खाती हूं। मेरी तरफ से सभी लोगों को नवरात्रि की शुभकामनायें।''

कटोरी अम्मा की भूमिका अदा कर रहीं हिमानी शिवपुरी ने कहा, ''उत्तर और पश्चिम भारत में कई लोग चैत्र नवरात्रि के दौरान उपवास रखते हैं। मेरी मां और दादी मां नवरात्रि के नौ दिनों तक लगातार व्रत रखती थीं, क्योंकि यह अपने आध्यात्मिक कार्यों को आगे बढ़ाने और मां दुर्गा की भक्ति में खो जाने या अपने शरीर एवं मन को शुद्ध करने का समय होता है। इन नौ दिनों में नमक, दालों, प्याज एवं लहसुन से परहेज किया जाता था। मेरी मां सारा सात्विक खाना पकाती थीं। मैं अब नवरात्रि के दौरान अपनी मां और दादा मां की सिखाई उन्हीं रीतियों का पालन कर रही हूं। इतने सालों में, मैंने यही सीखा है कि उपवास रखना अपने शरीर को भीतर से स्वच्छ करने का एक प्रभावी उपचार है। जब शरीर साफ रहता है, तो मन शांत हो जाता है और बहुत ज्यादा सुकून मिलता है, क्योंकि शरीर और मन के बीच एक गहरा संबंध है। इसके साथ हीं, नौ दिनों तक एक दिया भी लगातार जलाया जाता है और इस बात का ख्याल रखा जाता है कि दिये में हमेशा घी या तेल है। मेरी तरफ से सभी लोगों को नवरात्रि की ढेरों शुभकामनायें।'' रोहिताश्व गौड़ जोकि मनमोहन तिवारी का किरदार निभा रहे हैं, ने कहा, ''चैत्र नवरात्रि के दिनों में मैं सुबह जल्दी उठता हूं और स्नान करने के बाद प्रातः आरती करता हूं। पूजा के बाद हम देवी को मां सूखे मेवों, दूध, केला, मिश्री या दूसरे फलों का भोग लगाते हैं और उन्हें ताजे फूल अर्पित करते हैं। मैं और मेरी पत्नी नौ दिनों का उपवास रखते हैं और इस धार्मिक उपवास की सबसे महत्वपूर्ण बात है सच्चे मन से माता के लिये हमारी भक्ति। इस उपवास के जरिये हमें ईश्वर के प्रति आभार जताने में मदद मिलती है, जो शक्ति, दृढ़-निश्चय, ज्ञान, ताकत और पवित्रता का प्रतीक है। अपने उपवास के दिनों में मैं ताजे फल, ड्राई फ्रूट्स, और कुट्टु, सिंघाड़ा एवं साबूदाना के आटे से बने व्यंजनों का सेवन करता हूं। इस नवरात्रि अपने लिये, अपने परिवार वालों के लिये और अपने दोस्तों के लिये प्रार्थना करें। आप सभी को नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनायें!''

देखिये 'दूसरी माँ' रात 8:00 बजे, 'हप्पू की उलटन पलटन' रात 10:00 बजे और 'भाबीजी घर पर हैं' रात 10:30 बजे, हर सोमवार से शुक्रवार, सिर्फ एण्डटीवी पर!

नेहा जोशी मना रही हैं शादी के बाद मनाया अपना पहला गुड़ी पाड़वा

जीएनएस। गुड़ी पाड़वा के उत्सव के साथ मराठी नववर्ष की शुरूआत होती है और मराठियों के लिये यह एक बेहद आनंददायक अवसर होता है। यह त्योहार चैत्र महीने के पहने दिन मनाया जाता है और ऐसी मान्यता है कि यह अपने साथ समृद्धि और सौभाग्य घर लेकर आता है। एण्डटीवी के 'दूसरी माँ' में यशोदा का किरदार निभा रहीं नेहा जोशी मूल रूप से महाराष्ट के नाशिक की रहने वाली हैं। शादी के बाद यह उनका पहला गुड़ी पाड़वा का त्योहार है और इसे मनाने के लिये वह बेहद उत्साहित हैं। इस साल के जश्न के बारे में बात करते हुये नेहा जोशी ने कहा, ''गुड़ी पाड़वा का त्योहार महाराष्ट्र में बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन की शुरूआत, हर मराठी घर में एक ध्वजारोहण के साथ होती है, जिसे गुड़ी कहा जाता है। एक लकड़ी के डंडे को फूलों के हार, नीम की पत्तियों और एक चमकीले कपड़े से सजाकर गुड़ी तैयार की जाती है। ऐसा माना जाता है कि गुड़ी बुरी शक्तियों का नाश करती है और समृद्धि एवं सौभाग्य लेकर आती है। यह नई शुरूआत, उम्मीदों और आकांक्षाओं का भी प्रतिनिधित्व करता है। इसके साथ ही लोग घरों को रंगोली, सूखे रंगों और फूलों से भी सजाते हैं। चूंकि, शादी के बाद यह मेरा पहला गुड़ी पाड़वाहोगा, ओंकार और मैं इस साल मेरे पैरेंट्स के घर जायेंगे। इस दिन नवविवाहित बेटियों के माता-पिता अपनी बेटियों और उनके पतियों को भोजन के लिये आमंत्रित करते हैं। इस दिन पूरन पोली, श्रीखंड जैसे मीठे पकवान और आम्बे दाल एवं सूंठ पाक जैसे व्यंजन बनाये जाते हैं और मैंने पहले ही अपनी मां से इन सारी चीजों की मांग कर दी है (हंसती हैं)। वह एक कमाल की कुक हैं और अपने शो 'दूसरी माँ' की शूटिंग के लिये जयपुर में रहते हुये, मुझे माँ के हाथ के खाने की कमी बहुत खली है। मैं नौवारी साड़ी, खूबसूरत गहनों और अपने बालों में मोगरा के फूलों का गजरा लगाकर पारंपरिक मराठी वेशभूषा में सज-धज कर तैयार होने का भी बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।'' उन्होंने आगे कहा, ''शाम को, हम अपने रिश्तेदारों से मिलने, घूमने-फिरने और इस पावन अवसर पर मंदिरों में देवी-देवाताओं का आशीर्वाद लेने के लिये जाते थे। नाशिक में इस दिन कलाराम मंदिर जाकर भगवान का दर्शन करने और आशीर्वाद लेने की परंपरा है। हालांकि, सबसे ज्यादा आनंद इस मौके पर निकलने वाली शोभा यात्रा देखने में आता है, जोकि एक बहुत बड़ा जश्न है। इसमें महिलायें खूबसूरत परिधान पहनकर तैयार होती है, हाथों में झंडे लेकर ढोल-ताशा पर परफॉर्म करती हैं। मैं गुड़ी पाड़वाके अवसर पर सभी लोगों को शुभकामनायें देना चाहूंगी। यह साल आपकी जिंदगी में खुशियां, सेहत और समृद्धि लेकर आये।''

'दूसरी माँ' में नेहा जोशी को यशोदा का किरदार निभाते देखिये, हर सोमवार से शुक्रवार, रात 8:00 बजे सिर्फ एण्डटीवी पर!

अब मालवा हेराल्ड को पढ़े ऑनलाईन
https://www.malwaherald.com/epaper

//नवरात्र विशेष//

//देवी आमंत्रण गीत//

तैं चली आबे ओ माता
चली आबे भवानी
मोर दुवरिया हो।
अंगना तोर उजराहूँ मैं,
गइया के काँचा गोबर ले।
दीयना तोर बिसाहूँ मैं,
भइया कुम्हरा के घर ले।
कोष्टा घर ले ले आहूँ भवानी,
तोर चुनरिया हो।
तैं चली आबे ओ माता...।
देवी लछ्मी सरसती आही,
मोर दरवाजा तोर आए ले।
देव अस सगा-सोदर आहीं,
तोर सुघर जग रचाए ले।
सोनार भइया ल मंगाहूँ भवानी,
तोर चुनरिया हो।
तैं चली आबे ओ माता....।
किरपा बनाये राखहू तुम,
घर परवार मोर गाँव मा।
बिखहर काँटा झन गड़ै,
कोनो मनखे के पाँव मा।
तोर असीस बर आही भवानी,
मोर संगी-जहुँरिया हो।
तैं चली आबे ओ माता....।

-टीकेश्वर सिन्हा गब्दीवाला

सोनी सब के 'दिल दियां गल्लां ' की कावेरी प्रिंयम, यानि अमृता ने कहा-मुझे लगता है कि 'दिल दियां गल्लां ' में काम करने से मैं अपने पैरेंट्स की भावनाओं और जज्बाकतों को लेकर ज्यालदा जागरुक हो गई हूं

जीएनएस। क्याा कला जीवन का प्रतिबिम्बो है या जीवन कला का प्रतिबिम्बह है? सोनी सब के शो 'दिल दियां गल्लां ' की अमृता के लिये तो जीवन यकीनन कला का प्रतिबिम्ब लगता है। गलत समझी गई परिस्थितियों, आहत भावनाओं और अपने-अपने मतों के चलते टूटे हुए एक परिवार की कहानी दिखाने वाले 'दिल दियां गल्लां ' जैसे शो में काम करने से कावेरी प्रियम को अपने रिश्तों का महत्वे और यह समझने में मदद मिली है कि बातचीत कितना मायने रखती है।

कावेरी प्रियम ने बताया कि 'दिल दियां गल्लां ' में अमृता का किरदार निभाने के बाद उनके जीवन में रिश्तोंय ने उन पर कैसा असर डाला,अमृता का किरदार निभाते हुए मुझे कुछ वक्ता हो गया है और मुझे कहना ही होगा कि इस शो ने जिन्द गी की पेचीदगियों और बातचीत के अभाव में लोगों का एक-दूसरे से दूर होना जिस तरह दिखाया है, वह तारीफ के काबिल है। मैं सोचती हूँ कि 'दिल दियां गल्लां ' में काम करने से मुझे अपने पैरेंट्स की भावनाओं और जज्बादतों का

ज्यालदा खयाल रहने लगा है। अब मैं अपने लोगों को खास होने का एहसास देती हूँ और उन्हें प्यारर और वक्तर भी देती हूँ, जो उन्हें चाहिये। परिवार से दूर एक अलग शहर में रहना आसान नहीं होता है। समय के साथ आप सीखते हैं; हालांकि खालीपन फिर भी बना रहता है, जिसे आपके पैरेंट्स ही भर सकते हैं। अच्छी बात यह है कि मेरा परिवार और पैरेंट्स बहुत प्यानर करने वाले हैं, जिन्होंतने मेरे सफर के हर हिस्सेै में हमेशा मेरा साथ दिया है और इसलिये मैं बहुत आभारी हूँ।

उन्होंनि आगे कहा, मेरा मानना है कि अपनी निजी और कामकाजी जिन्दहगी के बीच संतुलन के लिये बातचीत सबसे बढ़िया तरीका है। अगर आप अपने करीबी लोगों से बातचीत जारी रखते हैं, तो गलतफहकमियों की कोई जगह नहीं रहेगी। व्यगस्त शेड्यूल के कारण मैं अक्स र अपने पैरेंट्स से बात नहीं कर पाती हूँ, लेकिन ब्रेक के दौरान उनसे बात करने की कोशिश करती हूँ, ताकि उन्हेंं भी मेरे दिन की जानकारी रहे। और मुझे लगता है कि 'दिल दियां गल्लां ' में एक नया परिवार और अमृता जैसा किरदार मिलना मेरी अच्छी किस्म त है, क्यों कि यह थोड़े ही वक्तं में मेरे लिये काफी महत्व पूर्ण हो गया है।

देखते रहिये 'दिल दियां गल्लां ' हर सोमवार से शनिवार शाम 7:30 बजे सिर्फ सोनी सब पर।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारतीय नववर्ष एवं चैत्र नवरात्रि पर्व के आरंभ पर

हार्दिक शुभकामनाएँ

विक्रम संवत् २०८०

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री

नूतन वर्षारंभ और चैत्र नवरात्रि का यह पावन अवसर
सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और प्रसन्नता
लेकर आये और हमारा मध्यप्रदेश नित नए प्रगति के
शिखरों को छुए, यही मेरी कामना है।

शिवराज सिंह चौहान

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

D11249/22

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2023

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)